IAS GS World PCS
Committed To Excellence

IAS 2020 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

खण्ड - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:
   (a) हैलोवीन तूफान पर एक भौगोलिक टिप्पणी लिखिए।
   (b) भूजलवैज्ञानिक अनुसंधानों को विश्लेशित करने के लिए मानचित्रण क्यों महत्त्वपूर्ण है? प्रासंगिक उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।
   (c) समुद्री संसाधन आर्थिक तौर पर बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। उपयुक्त उदाहरण उद्धृत करते हुए विवेचना कीजिए।
   (d) भारत में वन्य पौधों की वृद्धि को कौन-से कारक प्रभावित करते हैं। उनके आर्थिक महत्त्व की विवेचना कीजिए।
   (e) भारत में दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों में जीवन्त पर्यावरण से संबंधित समस्याओं की विचेचना कीजिए। इनका प्रबन्धन कैसे किया जा सकता है?

2. (a) विभिन्न सिद्धांतों और मॉडलों का उपयोग करते हुए महाद्वीपों और महासागरों के क्रमविकास पर एक निबन्ध लिखिए।
   (b) प्रवाल विरंजन की संकल्पना, इसकी पुनप्राप्ति तथा इस प्रक्रम के कारण दीर्घशैवाल प्रवृत्ति विस्थापन की विवेचना कीजिए।
   (c) उत्तर अटलांटिक महासागर की धाराओं और पश्चिमी यूरोप की जलवायु में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका की व्याख्या कीजिए।

3. (a) व्याख्या कीजिए कि विभिन्न कारक भारतीय मॉनसून प्रणाली की उत्पत्ति और विकास को कैसे प्रभावित करते हैं?
   (b) वनोन्मूलन के प्रभावों और कारणों तथा भारत में कृषि के प्रतिरूपों पर इसके प्रभाव की व्याख्या कीजिए।
   (c) वाताग्रजनन और वाताग्रविनाश की अभिलाक्षणिक विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

4. (a) अपरदन पृष्ठों की समस्याओं की विवेचना कीजिए और उपयुक्त चित्रों सहित उनको पहचानने की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए।
   (b) विश्व के अर्ध-शुष्क प्रदेशों में भू-उपयोग/भू-आच्छादन और मृदा प्रकार चारे की मात्रा और गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए।
   (c) भारत में संकटों और आपदाओं के प्रति मानव अनुक्रिया एवं प्रबंधन की विवेचना कीजिए।

खण्ड - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए-
   (a) जनसंख्या वृद्धि के संदर्भ में भारत की खाद्य सुरक्षा का विश्लेषण कीजिए।
   (b) ऊर्जा संकट के कारणों और प्रभावों को पहचानिए तथा इस समस्या के समाधान हेतु उपयुक्त उपाय सुझाइए।
   (c) गतिशीलता और प्रवसन के बीच भेद कीजिए। भारत में गाँवों से नगरों की ओर होने वाले प्रवसन के कारण और परिणाम क्या हैं?
   (d) "जहाँ आर्थिक वृद्धि लम्बी कालावधि तक बनी रहती है वहाँ इसका प्रभाव स्थानिक अर्थव्यवस्था के एक क्रमिक एकीकरण के लिए कार्य करता है।" सुस्पष्ट कीजिए।
   (e) वर्तमान काल के सन्दर्भ में वॉन थ्यूनेन के कृषि अवस्थिति सिद्धांत की प्रासंगिकता पर एक टिप्पणी लिखिए।

6. (a) जनसंख्या वृद्धि, संसाधन उपयोग और पर्यावरणीय प्रभाव के सन्दर्भ में माल्थसवाद और नव-माल्थसवाद के परिप्रेक्ष्यों की तुलना और उनमें भेद कीजिए।

(b) "भूमि अवनयन उत्पादकता और संपोषणीय संसाधन प्रबन्धन के लिए खतरा है।" भारत से उपयुक्त उदाहरण लेते हुए व्याख्या कीजिए।

(c) आधुनिक विश्व में अधिकतर सरहदें परिसीमाओं से प्रतिस्थापित कर दी गयी हैं। कारणों की व्याख्या कीजिए।

7. (a) भारत के कस्बों और नगरों के सन्दर्भ में संपोषणीय विकास हेतु नियोजन के प्रसंग में नगरीय सुनम्यता की संकल्पना की विवेचना कीजिए।

(b) भारत के मेट्रोपॉलिटन नगरों में औद्योगिक अवस्थिति की गत्यात्मकता का विश्लेषण कीजिए।

(c) संतुलित मानव विकास के सन्दर्भ में भारत में लिंग साम्या और समानता पर एक निबन्ध लिखिए।

8. (a) विवेचना कीजिए कि विश्व युद्धों के पश्चात् मैकिंडर ने अपनी धुराग्र क्षेत्र की संकल्पना को कैसे और क्यों संशोधित किया।

(b) जननता ह्रास और सामाजिक-आर्थिक विकास के सन्दर्भ में विश्व जनसंख्या संक्रमण का एक विवरण प्रस्तुत कीजिए।

(c) "मानव पारिस्थितिकी लोगों और उनके पर्यावरण, प्राकृतिक एवं सामाजिक दोनों, के पारस्परिक सम्बन्ध का अध्ययन है।" पारिस्थितिकी संकल्पनाओं का उपयोग करते हुए सविस्तान विवेचना कीजिए।

Paper-II

खण्ड - A

1. (a) आप को दिए गए भारत के रेखामानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिए। अपनी क्यू. सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए:

(i) वधावन (ii) सलखन (iii) कूर्ग (iv) महू
(v) उमरोई (vi) तूतूकुड़ी (vii) बारगढ़ (viii) अटल सुरंग
(ix) गुरुशिखर (x) बुम ला

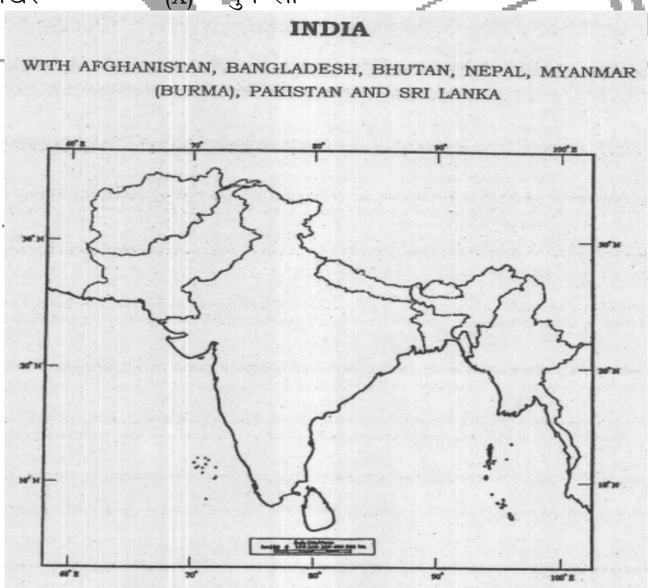

(b) जलवायु परिवर्तन ने ऋतुओं की लय को अस्थिर कर दिया है। उदाहरणों एवं आनुभाविक साक्ष्यों सहित टिप्पणी कीजिए।

(c) ग्रामीण भारत में प्रदूषण घटाने के लिए फसल अवशेष प्रबन्धन की विधियों की विवेचना कीजिए।

(d) जम्मू एवं कश्मीर के लोगों की प्रादेशिक आकांक्षायें क्या राज्य के पुनर्गठन के माध्यम से पूरी हो पाई हैं। मूल्यांकन कीजिए।

2. (a) जनजातीय उप-योजना के अन्तर्गत संरक्षित क्षेत्रों की पहचान सहित उनकी समस्याओं के समाधान हेतु आरम्भ किए गए कार्यक्रमों की विवेचना कीजिए।

(b) भारत में रंगों के आधार पर वर्गीकृत मृदा प्रकारों में विशिष्ट रासायनिक एवं खनिज विशेषताएं होती हैं। विवेचना कीजिए।

(c) भारत का औषधीय उद्योग कच्चे माल के आयात पर निर्भरत करता है। भारत-चीन संबंधों के दृष्टिकोण से इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।

3. (a) भारत ने निजी क्षेत्र के लिए अपने अंतरिक्ष को उपग्रह आधारित गतिविधियों हेतु खोल दिया है। प्रमुख सुरक्षा दुश्चिन्ताओं की इंगित करते हुए इसके निहितार्थो का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

(b) भारत के तिलहन उत्पादक क्षेत्रों की पहचान कीजिए। साथ ही खाद्यतेल उद्योग को प्रोत्साहित करने वाले उपायों की विवेचना कीजिए।

(c) भारत में परिवर्तनशील ग्रामीण लोकगृहों का एक तर्कयुक्त भौगोलिक विवरण दीजिए।

4. (a) सीमावर्ती क्षेत्र विकास एक महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय प्राथमिकता है। शान्तिपूर्ण सीमाओं हेतु आवश्यक स्थितिस्थापक कदम क्या हैं?

(b) बच्चों में रुद्धविकास एवं क्षयरोग खाद्य असुरक्षा के प्रमुख परिणाम हैं। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं तथा उनकी उपलब्धियों की विवेचना कीजिए।

(c) आवश्यक वस्तु (संशोधन) बिल 2020 का लक्ष्य कृषि उपजों के उत्पादन, आपूर्ति एवं वितरण को नियंत्रण-मुक्त करना है। इसके क्षेत्रीय परिणामों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

खण्ड - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए-

(a) पंचायती राज की सफलता लोगों की आधार स्तर पर सार्थक सहभागिता पर निर्भर करती है। परीक्षण कीजिए।

(b) भारतीय कृषि को नीम लेपित यूरिया योजना से होने वाले लाभों को स्पष्ट कीजिए।

(c) नहर सिंचाई ने भारत में एकलसस्यन को जन्म दिया है। उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

(d) प्रकृति में वृद्धिमान पारिस्थितिक पद-चिन्हों का प्रतिरूप असमान है। भारत के भूमि संसाधनों के सन्दर्भ में विश्लेषण कीजिए।

(e) भारत के प्रजनक एवं पराश्रयिक नगरों की चुनौतियों की पहचान कीजिए तथा उनके सम्भावित उपचार बताएं।

6. (a) विकास में प्रादेशिक विषमता को घटाने हेतु भारत में 'डिजिटल विभाजक' का त्वरित निवारा आवश्यक है। उपयुक्त उदाहरणों सहित विवरण प्रस्तुत कीजिए।

(b) हिमालय में हिमस्खलन एक प्रमुख खतरा है। इसके कारण तथा प्रशमन उपाय क्या हैं?

(c) भारत में जनांकिकीय संक्रमण की प्रक्रिया एक समान नहीं है। जनांकिकी संक्रमण सिद्धांत के सन्दर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए।

7. (a) भारत के भूकम्पी क्षेत्रों का सीमांकन करते हुए अत्यन्त संवेदनशील भूकम्पी क्षेत्रों में धारणीय मानव अधिवासों हेतु उपयुक्त हस्तक्षेप सुझाइए।

(b) ब्लू फ्लैग प्रमाणित समुद्री तटों की विशेषतायें क्या हैं? भारत में समुद्र तटीय पर्यटन में उनके महत्व की विवेचना कीजिए।

(c) नियोजित शहरों के चतुर्दिक विकसित नगरीय विस्तार के फलस्वरूप अनधिकृत अधिवास प्रकट होते हैं। इस प्रकार की बाह्यवृद्धि के लाभों तथा हानियों की विवेचना कीजिए।

8. (a) भारत में ग्रामीण-नगरीय विभाजक के सन्दर्भ में श्रमशक्ति के संघटन की परिवर्तनशील प्रकृति का विश्लेषण कीजिए।

(b) दक्षिण चीन सागर से भारत के आर्थिक, समुद्री एवं सामरिक हितों का वर्णन कीजिए।

(c) भारत में रोजगार में कमी वाले प्रदेशों हेतु किस प्रकार के कौशल प्रोत्साहन कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं? व्याख्या कीजिए।

IAS 2019 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

खण्ड - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:
   (a) अग्नाशय विस्फोटों और उनके परिणामों का वर्णन कीजिए।
   (b) संभाव्य वाष्पन-वाष्पोत्सर्जन का परिकलन करने की थार्नथ्वेट द्वारा सुझाई गई तकनीकों का स्पष्ट कीजिए।
   (c) सैंडस्पिट और टोम्बोलो किस प्रकार बनते हैं?
   (d) सहजीविता एक जैव कारक है, जो स्पीशीज की भौगोलिक सीमाओं का निर्धारण करता है। व्याख्या कीजिए।
   (e) पर्वतारोही माउन्ट एवरेस्ट के लिए किस प्रकार खतरा हैं?

2. (a) स्पीशीज की आनुवंशिक विविधता का संरक्षण करना किस कारण आवश्यक है? क्या संरक्षित क्षेत्र इस संबंध में कोई उपयोग प्रयोजन अदा करते हैं?
   (b) विभिन्न प्रकार की प्लेट सीमाओं के बीच समानताएं और विषमताएं स्पष्ट कीजिए।
   (c) नगरीय जलवायु की प्रकृति व वैश्विक पर्यावरण परिवर्तन पर उनके प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

3. (a) वायुमंडलीय परिसंचरण के त्रि-कोशिकीय मॉडल की विस्तार से विवेचना कीजिए।
   (b) मृदा अम्लता व क्षारीयता किस प्रकार मृदा उर्वरता से संबंधित हैं?
   (c) "जीवन की चादर किसी जोड़ के बिना है और पारिस्थितिक तंत्र के किसी एक भाग में विघटन के परिणामों की लहरें समस्त में व्याप्त हो जाती हैं।" सुस्पष्ट कीजिए।

4. (a) भूकंपों की तीव्रता व परिमाण मापने की विधियों की विवेचना कीजिए। भूकंपी क्षेत्रों का सीमांकन कैसे किया जाता है?
   (b) संकट मानचित्रण के द्वारा जान व माल पर बाढ़ों के प्रभाव को सर्वाधिक प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है। टिप्पणी कीजिए।
   (c) समुद्री तरंगें कैसे बनती हैं? दोलन की तरंग और स्थानांतरण की तरंग के बीच विभेदन कीजिए।

खण्ड - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए-
   (a) "भाषा एक विशेष स्थान पर उत्पन्न होती है और इसके बोलने वालों के प्रवास के माध्यम से अन्य स्थानों में फैलती है।" भाषा हॉट स्पॉटों और संकटापन्न भाषा हॉट स्पॉटों के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए।
   (b) बौनापन (स्टंटिंग) शारीरिक क्षय (वेस्टिंग) को परिभाषित कीजिए। क्या कारण है कि ये विकासशील राष्ट्रों के बच्चों में अधिक विद्यमान हैं?
   (c) जनसंख्या की निबल जनन दर (एन.आर.आर.) और जनसंख्या के वास्तविक प्रतिस्थापन स्तर के बीच संबंध को स्पष्ट कीजिए।
   (d) प्राकृतिक प्रदेश क्या हैं? आयोजना प्रदेशों से वे किस प्रकार भिन्न हैं?
   (e) हार्टशोर्न द्वारा सुझाई गई सीमाओं के आनुवंशिक वर्गीकरण पर चर्चा कीजिए।

6. (a) मानव विकास सूचकांक (एच.डी.आइ.) ने विकास के प्रक्रम के बारे में लोगों की सोच में आमूल परिवर्तन लाया है। एच.डी.आइ. की अंतर्निहित परिसीमाओं का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
   (b) "विनिर्माण में बड़े पैमाने पर वैश्विक स्थानांतरण विकसित संसार में विउद्योगीकरण का परिणाम है जो विकासशील संसार में उद्योगीकरण के बराबर है।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।
   (c) 'जलवायु प्रवासियों' से आप क्या समझते हैं? उनके पुन:स्थापन के लिए उचित नीतियाँ व कार्यक्रम सुझाइए।

GS World Committed To Excellence

7. (a) जलवायु परिवर्तन और शहरों में आपदा भेद्यताओं सहित परिवर्तनशील पर्यावरण का मुकाबला करने के लिए मानव बस्तियों की वर्तमान आयोजना, प्रबंधन और शासन में किन-किन परिवर्तनों की आवश्यकता है?

(b) वैश्वीकरण अकसर लोक संस्कृति को समाहित कर सकता है। इसके सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव क्या हैं?

(c) "विभिन्न स्थानों पर संवृद्धि एकसमान नहीं है।" इस कथन का वृद्धि ध्रुव थियोरी के परिप्रेक्ष्य में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

8. (a) 'आइसोडापेन' व 'आइसोटिम' में विभेद कीजिए। अल्फ्रेड वेबर द्वारा दी गई औद्योगिक अवस्थिति की न्यूनतम लागत थियोरी का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

(b) वृद्ध आबादियों के सर्वाधिक बड़े अंशों वाले राष्ट्रों के लिए चुनौतियों का आकलन कीजिए।

(c) समकालीन जगत् में 'रिमलैंड थियोरी' की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

Paper-II

खण्ड - A

1. (a) आप को दिए गए भारत के रेखामानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिए। अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए:

(i) लोथल (ii) व्यास नदी (iii) चिखल्दरा (iv) नरोरा
(v) लेंगपुई (vi) कुल्डिहा वन्यजीव अभ्यारण्य (vii) थेनमाला
(viii) अनामुदी (ix) बैरन द्वीप (x) दुर्गादुआनी ज्वारीय नदी

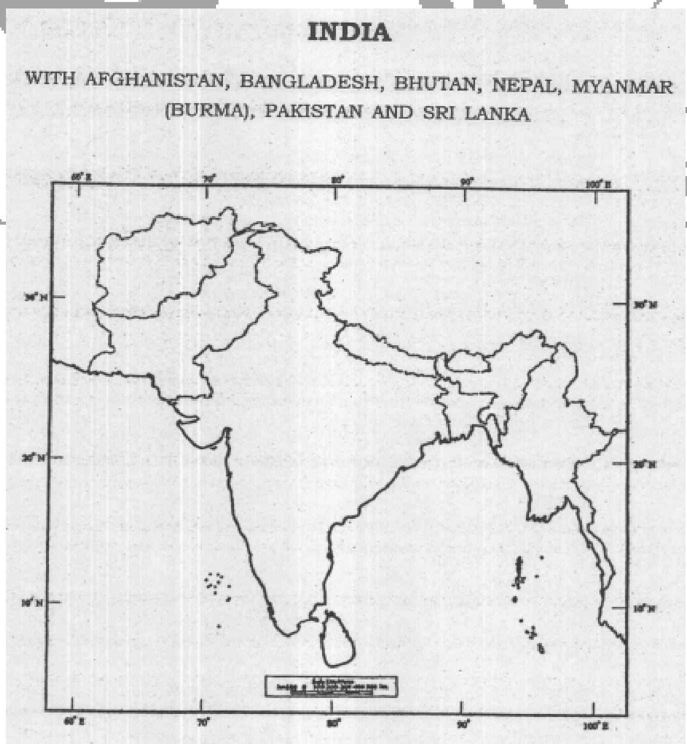

(b) भारत में भू-जल अवक्षय के प्रमुख कारणों का परीक्षण कीजिए।

(c) भारतीय मॉनसून स्वभावत: अनियमित क्यों हैं? व्याख्या कीजिए।

(d) भारत के सूखा संभावित क्षेत्रों में शुष्क कृषि की महत्ता की व्याख्या कीजिए।

2. (a) भारत के कृषि-जलवायिक क्षेत्रों में कृषि-पारिस्थितिक प्रदेशों से सहसंबंधित कीजिए।
(b) भारत के आर्थिक विकास में बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका का उपयुक्त उदाहरणों सहित समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
(c) विवेचना कीजिए की जलविभाजक प्रबन्धन भारत में ग्रामीण निर्धनता के उन्मूलन में एक उपकरण कैसे बन गया है।

3. (a) कृषि में रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और कृमिनाशकों के प्रयोग और मानव स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव की विवेचना कीजिए।
(b) भारत के अविरत अंतरिक्ष कार्यक्रमों और भविष्य में राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु उनके निहितार्थों का परीक्षण कीजिए।
(c) भारत में वर्षा प्रतिरूप की विवेचना तथा प्राकृतिक वनस्पति के स्थानिक वितरण के साथ उसे सहसंबंधित कीजिए।

4. (a) भारत में सूचना प्रौद्योगिकी आयामों की विवेचना कीजिए। व्याख्या कीजिए कि इसने भारतीय संघवाद की भू-सामरिक, भू-राजनीति एवं क्षेत्रीय जागरूकता को कैसे प्रभावित किया है।
(b) भारत में सूचना प्रौद्योगिकी के विकास तथा कार्य संस्कृति व समाज पर उसके प्रभाव का परीक्षण कीजिए।
(c) भारत में आयु-संरचना की वर्तमान स्थिति और कार्यशक्ति की उपलब्धता की व्याख्या कीजिए।

खण्ड - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए-
(a) भारत की पश्चिम वाहिनी नदियों की उल्लेखनीय विशिष्टताओं को प्रस्तुत कीजिए।
(b) भारत में वन्यजीव संरक्षण एवं प्रबन्धन की समस्याओं की विवेचना कीजिए।
(c) भारत के बड़े नगरों में भूमि के मूल्य, नगरों की ऊर्ध्वाधर वृद्धि तथा झुग्गियों की वृद्धि को सहसंबंधित कीजिए।
(d) भारत में पिछड़े प्रदेशों में विकास में पाद-निर्बन्ध उद्योगों के महत्व का आकलन कीजिए।
(e) भारत में हिमनदीय झील प्रस्फोटन बाढ़ (जी.एल.ओ.एफ.) की समस्याओं का परीक्षण कीजिए।

6. (a) "नदियों के अंतः बेसिन जुड़ाव आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिक रूपों में अधिक साध्य है"। भारत से उपयुक्त उदाहरणों सहित विवेचना कीजिए।
(b) भारत में उदीयमान सन्नगरों का एक सकारण विवरण दीजिए तथा उनसे सम्बद्ध समस्याओं की व्याख्या उपयुक्त उदाहरणों सहित कीजिए।
(c) भारत में पर्वतीय पर्यावरण के संधारणीय विकास हेतु हरित पर्यटन की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।

7. (a) भारत में प्रादेशिक असमानता में अन्तर्राज्यीय प्रवसन की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
(b) दक्षिण भारतीय नगरों की तुलना में उत्तर भारतीय नगरों में प्रदूषण के उच्च स्तर का एक सकारण विवरण दीजिए।
(c) भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में प्रादेशिक असंतुलनों को दूर करने हेतु प्रोत्साहन अभिकेन्द्रित कार्यक्रमों का विश्लेषण कीजिए।

8. (a) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रकृति और प्रतिरूपों में परिवर्तनों का भारत के विशेष संदर्भ में परीक्षण कीजिए। प्रमुख प्रभावी कारकों का उल्लेख कीजिए।
(b) हिमालय में उन्नतांशीय एवं भू-पर्यावरणीय खतरों का वर्णन कीजिए।
(c) "भारत हिन्द महासागरीय परिमण्डल से संबंधित एक भूमण्डलीय शक्ति के रूप में उमड़ रहा है।" विस्तारण कीजिए।

GS World Committed To Excellence

IAS 2018 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

खण्ड - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:
   (a) "दृश्यभूमि (लैंडस्केप) संरचना, प्रक्रम और अवस्था का एक प्रकार्य होता है।" कथन की समीक्षा कीजिए।
   (b) जलीय चक्र में वाष्पन की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
   (c) समुद्र तल परिवर्तनों के कारणों और परिणामों का वर्णन कीजिए।
   (d) अन्त:स्तरी और असुस्तरी मृदाओं के बीच विभेदन कीजिए। असुस्तरी मृदाओं के अभिलक्षणों और महत्व का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
   (e) मुम्बई में बारम्बार होने वाले आप्लावन के प्राकृतिक और मानवजनिक कारणों तथा उसके न्यूनीकरण के उपायों को स्पष्ट कीजिए।
2. (a) मूल्यांकन कीजिए कि कोबर की भू-अभिनतिक थियोरी पर्वत निर्माण की किस सीमा तक व्याख्या करती है।
   (b) जी.टी. ट्रिवार्था द्वारा प्रस्तावित जलवायु वर्गीकरण के आधार एवं रूपरेखा का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
   (c) पर्यावरणीय शिक्षा के लक्ष्यों और सिद्धांतों की विवेचना कीजिए। भारत में औपचारिक एवं अनौपचारिक पर्यावरणीय शिक्षा के आधारभूत सरोकारों का वर्णन कीजिए।
3. (a) भारतीय मानसून की उत्पत्ति, प्रगति एवं वापसी की व्याख्या कीजिए और भारत की अर्थव्यवस्था पर उसके प्रभाव की विवेचना कीजिए।
   (b) "हिमालय प्रदेश में भू-आकृतिकीय परिवर्तन पर्यावरणीय आपदाओं के लिए अधिकांशत: उत्तरदायी हैं।" प्रासंगिक उदाहरणों के साथ टिप्पणी कीजिए।
   (c) "जनसंख्या संवृद्धि नियंत्रण पर्यावरणीय समस्याओं का दीर्घोपयोगी (सस्टेनेबल) समाधान है।" उपयुक्त तर्कों के साथ, अपने विचार व्यक्त कीजिए।
4. (a) संभाव्य समुद्री ऊर्जा संसाधनों का, उनके लाभों, संग्रहणीयता और पर्यावरणीय प्रभावों के उल्लेख के साथ, वर्णप कीजिए।
   (b) पर्यावरणीय प्रबंधन के पारिस्थितिकी तंत्र उपागम को स्पष्ट कीजिए और इसकी श्रेष्ठताओं एवं कमियों पर प्रकाश डालिए।
   (c) उष्णकटिबन्धीय वर्षा-प्रचुर वनों के निम्नीकरण के कारणों की विवेचना कीजिए और उनके रोकथाम, संरक्षण और विकास के लिए उपचारात्मक उपाय सुझाइए।

खण्ड - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए-
   (a) "भूगोल मजबूत यूरोकेंद्रीयता, जिसको केवल हाल ही में चुनौती दी गई है, वाला एक सविरोधित और बहु. -रूपावलीय विषय है।" टिप्पणी कीजिए।
   (b) "स्वच्छन्द उद्योगों" के संदर्भ में औद्योगिक स्थान-निर्धारण के एक कारक के रूप में, परिवहन लागतों के महत्व की मात्रा (डिग्री) की विवेचना कीजिए।
   (c) नगरों की संवृद्धि के संदर्भ में, "बृहत्नगर (मेगालोपोलिस)" और "बहिर्नगर (एक्सोपोलिस)" की संकल. पनाओं की यह बताते हुए व्याख्या कीजिए कि क्या ये दोनों अतिव्यापन कर सकते हैं और करते भी हैं।
   (d) आर्थिक संवृद्धि और प्रादेशिक विकास की पेरू की अभिधारणा में "अग्रगामी एवं पश्चगामी (फॉरवर्ड एण्ड बैकवर्ड) अनुबंधनों" पर एक टिप्पणी लिखिए।
   (e) रोस्टोव द्वारा अपनी 'संवृद्धि की बहुस्तरीय थियोरी' में वर्णित "व्यापक उपभाग के युग" की संक्षेप में रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

GS World Committed To Excellence

6. (a) " 'प्रदेशों' और 'प्रादेशिक भूगोल' के अध्ययन हेतु क्षेत्रीय विभेदन ने सैद्धांतिक प्रामाणिकता उपलब्ध की है।" टिप्पणी कीजिए।

(b) एशिया और यूरोप से उदाहरण देते हुए, उन परिस्थितियों पर टिप्पणी कीजिए, जिनके अन्तर्गत जन्मवृद्धिकारक जन. संख्या नीतियाँ पेश की गई हैं। इन नीतियों के महिलाओं की कार्यबल सहभागिता पर क्या प्रभाव हो सकते हैं?

(c) सामाजिक कल्याण भूगोलों में 'कल्याण' को मुख्य केंद्रबिंदु के रूप में रेखांकित करने में डी.एम. स्मिथ के योगदानों पर टिप्पणी कीजिए।

7. (a) "भुखमरी एक ऐसी सामाजिक परिघटना है, जिसकी जड़ें ऐसी संस्थागत एवं राजनीतिक आर्थिक व्यवस्थाओं में होती हैं, जो विभिन्न वर्गों एवं सामाजिक स्तरों (स्ट्रेटा) तक आहार की पहुँच को निर्धारित करती हैं।" टिप्पणी कीजिए।

(b) 1970 के दशक में उभरे मानवतावादी भूगोल में, बी.फु तुआन और रेल्फ के द्वारा प्रतिपादित "स्थान की चेतना (सेन्स ऑफ प्लेस)" से संबंधित विचारों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

(c) 1970 के दशक से मार्क्सवादी भूगोलवेत्ताओं द्वारा निवेदित प्रमुख विषयों को रेखांकित करते हुए, भौगोलिक अनुसंधान पर मार्क्सवादी दर्शन के प्रभाव को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

8. (a) "कल्याणपरक भूगोल स्थानिक असमता और प्रादेशिक न्याय पर बल देता है।" मुख्य धारणाओं एवं उपविषय की परिधि के उल्लेख के साथ टिप्पणी कीजिए।

(b) उस प्रक्रिया की समालोचनात्मक विवेचना कीजिए, जिसमें मात्रात्मक क्रांति ने भूगोल में मॉडलों और मॉडलिंग (प्रतिरूपण) के लिए सुव्यवस्थित आधार प्रदान किया था।

(c) "संवृद्धि की सीमाएं" (1972) में मुख्य स्थापना की संक्षिप्त विवेचना कीजिए और उसकी समीक्षा भी प्रस्तुत कीजिए।

Paper-II

खण्ड – A

1. (a) आप को दिए गए भारत के रेखामानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिए। अपनी क्यू. सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए:

(i) श्योक नदी (ii) मोलिन्नोंग (iii) श्रावस्ती (iv) कोरी संकरी खाड़ी
(v) अमरकंटक (vi) घाटशिला (vii) तवांग (viii) नेय्यार
(ix) दान्डेली (x) मुल्शी झील

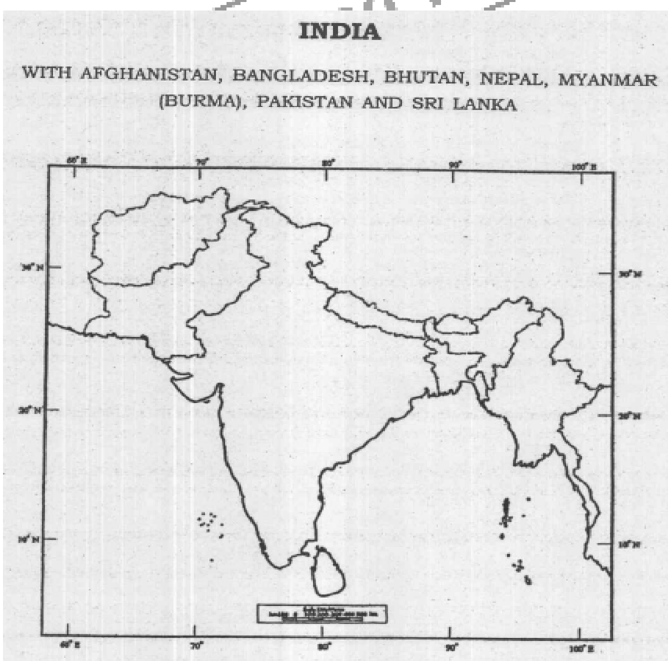

(b) पूरे भारत में वर्ष 2018 की मॉनसून-पूर्व अवधि में आंधी-अंधड़ों एवं तड़ित-झंझाओं की असामान्य उग्रता की व्याख्या कीजिए।

(c) भारत में जल प्रबंधन बोर्डों की स्थापना करना किस कारण एक विवादित विषय है?

(d) हाल ही में हुए विकासों के मद्देनगर, भारत ने ऊर्जा संकट का निवारण गैर-परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के उपयोग से किस प्रकार किया जा सकता है?

2. (a) प्रायद्वीपीय भारत के उत्तर-पश्चिमी लावा पठार तथा छोटानागपुर पठार के भौगोलिक प्रारूपों में विभेदन कीजिए।

(b) भारत में द्रुत नगरीकरण के सन्दर्भ में, समकालीन कृषि की परिदृश्य की व्याख्या कीजिए।

(c) भारत में संधारणीय आर्थिक विकास हेतु विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एस.ई.जेड्स.) की उपयुक्तता का आकलन कीजिए।

3. (a) भारत में चल रहे कृषि विविधीकरण के प्रक्रम का और खाद्य सुरक्षा में उसके निहितार्थों का परीक्षण कीजिए।

(b) भारत के दुराग्रही ऋणात्मक व्यापार संतुलन का कारण बतलाइए।

(c) भारत की विलुप्त होती हुई नृजातीय भाषाई बहुलता का समालोचनात्मक आकलन कीजिए।

4. (a) भारत के दस लाख से अधिक के नगरों की परिवर्तित होती हुई नगरीय आकारिकी के प्रेरक बलों का परीक्षण कीजिए।

(b) हिन्द महासागरीय परिमण्डल के उभरते हुए भू-राजनैतिक परिदृश्य की विवेचना कीजिए।

(c) भारत में संधारणीय (सस्टेनेबल) पर्यटन संबंधी प्रदेश विशिष्ट बाध्यताओं का एक समालोचनात्मक विवरण दीजिए।

खण्ड - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए-

(a) भारत से अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासियों के पीछे छूटे हुए परिवारों से संबंधित सामाजिक-आर्थिक समस्याओं की विवेचना कीजिए।

(b) भारत में परिवर्तनशील नदी मार्गों को और तटवर्ती जनसंख्या पर उनके प्रभावों को उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

(c) भारत में नदी जल की गुणता को प्रभावित करने वाले कारकों का एक समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

(d) भारत में सफल विकेंद्रित आयोजना में लोगों की सहभागिता की भूमिका की जांच कीजिए।

(e) भारत में हाल ही में उपस्थित निपाह वाइरसी इंसेफलाटिस के सामाजिक-स्थानिक परिणामों का वर्णन कीजिए।

6. (a) भारत में जल एवं वनस्पति के संरक्षण का संवर्धन करने में शुरु किए गए प्रयत्नों को उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

(b) भारत में द्वीपीय प्रदेशों के एकीकृत विकास की रणनीतियों की विवेचना कीजिए।

(c) भारत में सीमावर्ती क्षेत्र के विकास पर सीमा पर आतंकवाद का प्रभाव पड़ता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित इसका परीक्षण कीजिए।

7. (a) भारत में आरपार पाइपलाइन के जाल तंत्र को और प्रादेशिक विकास पर उसके प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

(b) भारत के प्रमुख समुद्री पत्तनों में से होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के परिवर्तनशील संघटन की विवेचना कीजिए।

(c) परि-नगरीकरण ने बृहत् पर्यावरणीय समस्याओं को उत्पन्न कर दिया है। भारत के राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश (एन.सी.आर.) के सन्दर्भ में, उनके कारणों एवं परिणामों की विवेचना कीजिए।

8. (a) भारत में ग्रामीण बस्तियों की परिवर्तनशीलता प्रादेशिक आकारिकी का वर्णन कीजिए।

(b) भारत में आर्थिक संवृद्धि को प्रोत्साहन देने में स्टार्टअप महत्वपूर्ण भूमिका निभ सकते हैं। उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

(c) क्या अपने पड़ोसी देशों के साथ भारत की भू-सीमा एक सांस्कृतिक विभाजक है अथवा विभाजित संस्कृति है? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

GS World Committed To Excellence

IAS 2017 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

खण्ड – A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:
   - (a) कूटज्वालामुखीय लक्षणों पर टिप्पणी लिखिए।
   - (b) निम्न ऊर्जा तटों तथा प्रवाल तटों के मध्य विभेद कीजिए।
   - (c) वायु संहति के व्यवहार पर महासागरीय धाराओं के प्रभावों की विवेचना कीजिए।
   - (d) जैविक मरूस्थलों के लक्षणों का वर्णन कीजिए।
   - (e) सूक्ष्म कार्बन सिंक की संकल्पना एवं इसकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।
2. (a) धरातल पर वायु गति को नियंत्रित करने वाले बलों की विवेचना कीजिए।
   - (b) "ढाल प्रबंधन में ढाल विश्लेषण के ज्ञान का सीमित क्षेत्रीय उपयोग है।" व्याख्या कीजिए।
   - (c) प्रशान्त महासागर के तल के सविन्यास का वर्णन कीजिए।
3. (a) "जलवायु परिवर्तन एक वास्तविकता है।" उचित उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए।
   - (b) चर्नोजेम एवं सिरोजेम मृदाओं के लक्षणों में अंतर स्पष्ट कीजिए।
   - (c) जल की मात्रा की आवश्यकता के आधार पर पादपों का वर्गीकरण कीजिए।
4. (a) पेल्टियर द्वारा प्रतिपादित परिहिमानी चक्र की संकल्पना का विवेचन कीजिए।
   - (b) "जलवायु, ढाल प्रवणता तथा शैल संरचना चैनलों के भू-अपदारण को प्रभावित करते हैं।" व्याख्या कीजिए।
   - (c) पर्यावरणीय प्रबंधन में प्रत्यक्ष ज्ञान, अभिवृत्ति, मान एवं संवेग (PAVE) सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

खण्ड – B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:
   - (a) समय-भूगोल की संकल्पना की व्याख्या कीजिए।
   - (b) "ह्विटल्सी के कृषि प्रदेश आज भी प्रासंगिक हैं।" विवेचना कीजिए।
   - (c) भौगोलिक तंत्रों पर एक व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
   - (d) "वैश्विक संयोजकता की अभिवृद्धि के साथ परम्परागत सांस्कृतिक पहचानों का ह्रास हो रहा है।" व्याख्या कीजिए।
   - (e) धारणीय विकास एवं इसके घटकों पर विवरण प्रस्तुत कीजिए।
6. (a) भूगोल के समसामयिक प्रतिमानों (पैराडाइम्स) की विवेचना कीजिए।
   - (b) "ऊर्जा संकट की उग्रता में प्रादेशिक विषमता होती है।" व्याख्या कीजिए।
   - (c) वर्तमान संदर्भ में बलपूर्वक जनसंख्या प्रवास के कारणों एवं परिणामों का परीक्षण कीजिए।
7. (a) क्रिस्टालर के केन्द्र स्थान सिद्धांत की प्रयोज्यता की विवेचना कीजिए।
   - (b) "पश्चिमी यूरोपीय देशों एवं जापान के बीच यथैष्ट जनसांख्यिकीय समानताएँ हैं।" व्याख्या कीजिए।
   - (c) जीवन की गुणता को परिभाषित कीजिए तथा पर्याप्त उदाहरणों सहित इसके प्राचलों की व्याख्या कीजिए।
8. (a) "केन्द्र-स्थल (हार्टलैंड) सिद्धान्त एक बार पुन: महत्वपूर्ण हो रहा है।" समीक्षा कीजिए।
   - (b) प्रादेशिक विकास प्रक्रम में छोटे नगरों की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
   - (c) भारत के सम्बन्ध में सामाजिक पूंजी की संकल्पना की व्याख्या कीजिए।

GS World Committed To Excellence

Paper-II

खण्ड - A

1. (a) आप को दिए गए भारत के रेखामानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिए। अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए:

(i) थुम्बा	(ii) नयाचर द्वीप
(iii) डोडाबेट्टा	(iv) देवस्थल
(v) पांगोंग झील	(vi) हम्पी
(vii) हैवलॉक द्वीप	(viii) लूनी नदी
(ix) दरिन्ग्बदी	(x) दूधसागर जलप्रपात

(b) भारत में 2017 में मानसूनी वर्षा के वितरण के असामान्य प्रतिरूप का तर्कयुक्त वितरण दीजिए।

(c) सतलुज-यमुना योजक नहर परियोजना के क्रियान्वयन में निहित अन्तर्राज्यीय मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।

(d) भारत में छोटे नगरों की अपनी समस्याएँ एवं संभावनाएँ हैं। विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

2. (a) भारत में अलवण जल संकट का विवेचन कीजिए तथा उसके संधारणीय (संस्टेनेबल) प्रबंधन की एक रूप-रेखा तैयार कीजिए।

(b) भारत में नक्सल-प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कीजिए तथा उनकी सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का विवेचन कीजिए।

(c) भारत में वायुमार्गों के एक व्यापक नेटवर्क का विकास करने की साध्यता का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

3. (a) "एक प्रभावी त्रिस्तरीय पंचायत राज तंत्र भारत में बहुस्तरीय आयोजना के ऊर्ध्वोन्मुखी उपागम को बल प्रदान करेगा।" व्याख्या कीजिए।

(b) "भाषायी विविधता भारत में एक परिसंपत्ति है तथा साथ-साथ चुनौती भी है।" इस कथन को व्याख्या, भाषाओं के वितरण पर तथा संबंधित मुद्दों के हल के लिए उठाए गए प्रमुख कदमों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, कीजिए।

(c) भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन को अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण स्त्रोत के रूप में किस प्रकार विकसित किया जा सकता है?

4. (a) भारत में नगरों के प्रकार्यात्मक वर्गीकरण की विभिन्न विधियों का उल्लेख कीजिए तथा अशोक मित्र द्वारा अनुप्रयुक्त विधि को स्पष्ट कीजिए।

(b) भारत में किसानों द्वारा आत्महत्या कृषि भूमि संबंधी प्रमुख समस्याओं में से एक है। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश एवं पंजाब का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए इसके कारणों पर प्रकाश डालिए एवं उपचारात्मक उपाय सुझाइए।

(c) भारत में आधुनिक कृषि के लिए भूमि सुधार एक कुंजी है। स्वतंत्रता के बाद इस दिशा में किए गए विभिन्न उपायों का वर्णन कीजिए।

खण्ड B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:

(a) भारत सरकार द्वारा चिन्हित क्षेत्रों में प्रादेशिक असंतुलन को कम करने में 'पहाड़ी परिवहन सहायिकी योजना की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

GS World Committed To Excellence

(b) भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में डोकलाम विवाद के भूराजनीतिक परिणामों पर प्रकाश डालिए।

(c) भारतीय प्रादेशिक नौसंचालन उपग्रह तंत्र (आई.आर.एन.एस.एस.) के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(d) लघु इस्पात संयंत्र भारत में लौह व इस्पात उद्योग के विकेन्द्रीकरण में एक उपकरण के रूप में कार्य कर सकते हैं। व्याख्या कीजिए।

(e) वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) का देश के विकसित एवं पिछड़े राज्यों पर विभेदक प्रभाव है। किस प्रकार और क्यों?

6. (a) हो सकता है कि नदियों का परस्पर युग्मन भारत में आश्वासित सिंचाई का और बारहमासी अंत:स्थलीय नौसंचालन का एक प्रमुख स्त्रोत के रूप में कार्य करे। भौतिक, आर्थिक एवं पारिस्थितिक परिणामों को ध्यान में रखते हुए इसकी साध्यता पर टिप्पणी कीजिए।

(b) धार्मिक अल्पसंख्यक अधिकांशत: भारत के सीमावर्ती राज्यों में संकेन्द्रित हैं। इसके कारणों एवं परिणामों की विवेचना कीजिए।

(c) मृदा प्रदूषण से आप क्या समझते हैं? भारत में मृदा प्रदूषण के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों को निरूपित कीजिए तथा इसके उपचारात्मक उपाय सुझाइए।

7. (a) सड़क और रेल जालतंत्रों का एक पूरक ढांचे में एकीकृत विकास, प्रादेशिक विकास के लिए एक पूर्व-आवश्यकता है। भारत के पूर्वोत्तर प्रदेश के संदर्भ में इसको स्पष्ट कीजिए।

(b) सागर माला परियोजना की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए तथा भारत में तटीय प्रदेशों के पत्तन विकास में इनकी भूमिका पर प्रकाश डालिए।

(c) मेघालय को प्रायद्वीपीय भारत में सम्मिलित करने का औचित्य बताइए तथा वहाँ की वनस्पति एवं मृदा प्रकारों की विवेचना कीजिए।

8. (a) भारत के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों के नाम, उनकी पहचान के आधारों को इंगित करते हुए बताइए। उनकी मूलभूत समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

(b) प्रायद्वीपीय भारत में अपवाह प्रतिरूप उसकी भूवैज्ञानिक संरचना एवं स्थलाकृति का परिणाम है। सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

(c) क्या कारण है कि भारत में सौर ऊर्जा की उच्च संभाव्यता के होते हुए भी उसको वांछित स्तर तक विकसित नहीं किया गया हैं?

GS World Committed To Excellence

IAS 2016 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

खण्ड - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:
   (a) "अण्डे की टोकरी स्थलाकृति" का वर्णन कीजिए।
   (b) सूर्यतापन और ताप के बीच विभेदन कीजिए और असंगत ताप को स्पष्ट कीजिए।
   (c) समुद्री कटिबंधों (मैरीटाइम जोन) की विवेचना कीजिए।
   (d) उष्णकटिबंधीय वर्षावन जीवोम (बायोम) के पारिस्थितिकीय महत्त्व को उजागर कीजिए।
   (e) हिमालय में जल-मौसम विज्ञानी (हाइड्रो-मिटिरियोलॉजिकल) खतरों को स्पष्ट कीजिए।

2. (a) "पेडिप्लेनेशन' की संकल्पना की व्याख्या करने में किंग ने डेविस, पेन्क और वुड के विचारों के साथ अपने विचार जोड़े थे।" सविस्तार समझाइये।
   (b) उष्णकटिबंधीय और शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवातों से जुड़ी उत्पत्ति और मौसमी दशाओं की तुलना कीजिए।
   (c) एक तर्कसंगत विवरण प्रस्तुत विवरण प्रस्तुत कीजिए कि वैश्विक तापन के प्रभाव की पृथ्वी के एक भाग से दूसरे भाग के बीच भिन्नता किस प्रकार होती है।

3. (a) जलवायु परिवर्तन को समझने में विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम (डब्ल्यू.सी.आर.पी.) के महत्व और उसकी क्रोड परियोजनाओं पर चर्चा कीजिए।
   (b) "पवनों और धाराओं के बीच का संबंध सबसे अच्छी तरह से हिन्द महासागर में देखा जाता है।" सिद्ध कीजिए।
   (c) आर्थिक प्रस्थिति और पर्यावरण के सन्दर्भ में, "उपयोग करो और फेंक दो" की प्रवृत्ति पर समालोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

4. (a) महासागरों और उनके संसाधनों के शोषण और उपयोग से सम्बद्ध विभिन्न पारिस्थितकीय समस्याओं को उजागर कीजिए।
   (b) "भूवैज्ञानिक संरचना का भू-आकृतियों पर प्रभावी नियंत्रण होता है और यह उनमें प्रतिबिम्बित भी होती है।" चर्चा कीजिए।
   (c) न्यूबिगिन की संसार के पादपी मण्डलों की योजना का वर्णन कीजिए और भूमध्य सागरीय पदपी मण्डल को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - B

5. (a) "क्षेत्रीय विभेदन भूगोल की क्रोड विषय-वस्तु है।" स्पष्ट कीजिए।
   (b) 'आइसोडापेन' को स्पष्ट कीजिए।
   (c) 'सी.बी.डी.' (CBD) की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।
   (d) 'कोम्पेज' की धारणा को सविस्तार समझाइये।
   (e) भौगोलिक अध्ययनों में गुरुत्व मॉडल के अनुप्रयोग की विवेचना कीजिए।

6. (a) भूगोल में मात्रात्मक क्रांति की उत्पत्ति और प्रगति की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिये तथा इसके गुण और दोषों को

उजागर कीजिए।

(b) ग्रामीण बस्तियों (बसावटों) के प्रकारों एवं प्रतिरूपों का निर्धारण करने में बसाव-स्थान (साइट) की भूमिका का विवेचन कीजिये।

(c) 'प्रदेश' से क्या तात्पर्य है? प्रादेशिक परिसीमन की 'थिसीयन' बहुभुज विधि का वर्णन कीजिये।

7. (a) विश्व के जीवन प्रत्याशा के प्रादेशिक प्रतिरूप का वर्णन कीजिए और बढ़ती हुई जीवन प्रत्याशा के कारण विकासशील देशों के सम्मुख चुनौतियों को उजागर कीजिये।

(b) वर्तमान समय के संदर्भ में 'रूको और जाओ निर्धारणवाद' की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

(c) सीमाओं और सीमांतों की परिभाषा दीजिये और उनमें विभेदन कीजिये। ज्यामितीय सीमाओं का उचित उदाहरणों सहित वर्णन कीजिए।

8. (a) लॉश की केन्द्रीय स्थानों की थ्योरी का समालोचनात्मक विवरण दीजिए।

(b) "संसाधन-सम्पन्न प्रदेशों और संसाधन-उपयोगकर्ता प्रदेशों के बीच संयोजन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रतिरूप को निर्धारित करते हैं।" उचित उदाहरणों सहित सविस्तार समझाइये।

(c) किसी प्रदेश में इष्टतम भूमि-उपयोग नियोजन की दिशा में भूगोलवेत्ता किस-किस तरह से योगदान कर सकते हैं?

Paper-II

खण्ड - A

1. (a) आप को दिए गए भारत के रेखामानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिए। अपनी क्यू. सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए:

(i) पीर पंजाब पर्वतश्रेणी
(ii) इन्द्रावती नदी
(iii) लाथू ला दर्रा
(iv) जोग जलप्रपात
(v) पुलीकट झील
(vi) कुडनकुलम
(vii) नालन्दा
(viii) कुद्रेमुख
(ix) पूर्वोत्तर रेलवे का मुख्यालय
(x) फरक्का बैराज

(b) हिमालय में नदी मार्गों के स्थानांतरण और नदी प्रग्रहण (रिवर कैप्चरिंग) को स्पष्ट कीजिए। (लगभग 150 शब्दों में)

(c) भारत के पड़ोसी देशों के साथ स्थानिक सम्बन्धों का उल्लेख कीजिए। (लगभग 150 शब्दों में)

(d) कृषि सघनता की परिभाषा दीजिए और भारत में इसके प्रादेशिक वितरण पर प्रकाश डालिये।

2. (a) भारत में जलवायु प्रदेशों के परिसीमन में वर्षा एवं ताप के स्थानिक प्रतिरूप की भूमिका पर, विशेषकर स्टैम्प के जलवायवी प्रादेशीकरण का हवाला देते हुये, विवेचना कीजिए।

(b) गंगा के मैदानों में बाढ़-प्रवण क्षेत्रों और उनकी प्रबंधन समस्याओं का वर्णन कीजिए।

(c) भारत की नई औद्योगिक नीतियों को समझाइये।

3. (a) भारत के महत्वपूर्ण जीवीय संसाधन प्रदेशों की पहचान कीजिये, तथा उनकी समस्याओं पर प्रकाश डालिये।

(b) पूर्वोत्तर भारत में नृजातीय असमानताओं की ओर इंगित कीजिये।

(c) भारत के नव्यकरणीय संसाधनों के विकास का विवरण प्रस्तुत कीजिय।

GS World Committed To Excellence

4. (a) भारत में नदी जल परिवहन के विकास और प्रादेशिक विकास में उसकी भूमिका पर प्रकाश डालिए।

(b) भारत में आर्थिक विकास के पर्यावरणीय निम्नीकरण पर प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

(c) भारत में काली मृदाओं के वितरण और कृषि में उनके विशिष्ट उपयोग का वर्णन कीजिए।

खण्ड B

5. (a) भारत में स्त्री-पुरुष अनुपात के वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए।

(b) "बोकारो लौह व इस्पात संयंत्र औद्योगिक संकुल का एक उदाहरण है।" व्याख्या कीजिये।

(c) गंदी बस्तियां किस प्रकार बन जाया करती हैं? उनके सुधार के लिए ठोस सुझाव दीजिए।

(d) दक्षिण एशिया की भू-राजनीति (जियो-पॉलिटिक्स) में भारत की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।

(e) दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के साथ भारत के व्यापार के प्रतिरूप का विश्लेषण कीजिए।

6. (a) राजस्थान मरूस्थल में और भारत के उत्तर-पूर्वी प्रदेशों में मानव बस्तियों के वितरण के लिये उत्तरदायी भौगोलिक कारकों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिये।

(b) भारत में कृषि विकास में सड़क परिवहन की भूमिका को, उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुये, स्पष्ट कीजिए।

(c) भारत में संसाधन-उपयोग पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिये।

7. (a) भारत में सूती-वस्त्र उद्योगों की अवस्थिति, वितरण प्रतिरूप और समस्याओं का विश्लेषण कीजिए।

(b) भारत के मुख्य जनजातीय प्रदेशों तथा उनकी समस्याओं का वर्णन कीजिए।

(c) भारत में आर्थिक विकास में प्रादेशिक असमानताओं के कारणों का परीक्षण कीजिये।

8. (a) भारत में नगरीकरण के कारणों एवं प्रभावों का वर्णन कीजिये और ग्रामीण भूदृश्य एवं नगरीय पारिस्थितिकी पर उसके प्रभाव को स्पष्ट कीजिये।

(b) "भारत ने हरित क्रांति की उपलब्धि के लिये आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय लागत के रूप में भारी कीमत चुकाई है।" विवेचना कीजिये।

(c) चीन-भारत सीमा विवाद के उद्भव, विस्तार और विवक्षाओं को स्पष्ट कीजिये।

GS World Committed To Excellence

IAS 2015 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

खण्ड - A

1. कटिबंधीय दृष्टिकोण से भू-आकृतिक प्रक्रमों का वर्गीकरण लिखिये।
2. विवेचना कीजिये कि वाताग्रजनन (फ्रंटोजेनेसिस) किस प्रकार मौसम अस्थिरता में योगदान करता है।
3. विभिन्न प्रकार के पेलैजिक (अंबुधी) निक्षेपों की विशिष्टताओं का वर्णन कीजिये।
4. पारिस्थितिक अनुक्रमण के अभिलक्षणों की व्याख्या कीजिये।
5. जीवन की गुणवत्ता पर पर्यावरणीय शिक्षा के प्रभाव पर टिप्पणी कीजिये।
6. भू-आकृति विज्ञान में, भूपृष्ठीय अनाच्छादन (सब-एरियल डिन्यूडेशन) के अमेरिकी संप्रदाय के योगदानों की विवेचना कीजिए।
7. संभाव्य वाष्पन-वाष्पोत्सर्जन क्या है? स्पष्ट कीजिये कि किसी क्षेत्र के जल संतुलन का आकलन करने में इसका किस प्रकार उपयोग किया जाता है।
8. सम्पोषित विकास (सस्टेनेबल डेवेलपमेंट) के लिये जैव-विविधता के संरक्षण की विधियों की विवेचना कीजिए।
9. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के आधार की विवेचना कीजिए। 'Cs' प्रकार की जलवायु के प्रमुख अभिलक्षणों को स्पष्ट कीजिये।
10. सोदाहरण व्याख्या कीजिये की चैनल गतिकी जलोढ़ पंखों एवं शंकुओं के विकास के लिये किस प्रकार उत्तरदायी बनी रही है।
11. कटिबंधीय वितरण के आधार पर मृदाओं का वर्गीकरण कीजिये एवं पेडोकल के अभिलक्षणों का वर्णन कीजिये।
12. मानव के पारिस्थितिक अनुकूलन की विभिन्न अवस्थाओं की व्याख्या कीजिये तथा मानव एवं पर्यावरण के बीच के परिवर्तनशील संतुलन पर प्रकाश डालिये।
13. "वर्तमान-काल के स्थल रूपों (लैंडफॉर्म्स) में सरलता की अपेक्षा जटिलता अधिक है।" सविस्तार स्पष्ट कीजिये।
14. वायुमण्डल के उत्तर-दक्षिण परिसंचरण को और विश्व की जलवायु में उसके महत्व को स्पष्ट कीजिये।

खण्ड - B

15. "भूगोल का कल्याणकारी चेहरा इसको एक अंतःशास्त्रीय विषय बना देता है।" विस्तार से स्पष्ट कीजिये।
16. "ऊर्जा मिश्रण सम्पोषणीय (सस्टेनेबिलिटी) की तरफ एक कदम है।" विवेचना कीजिये।
17. नगरों के प्रकार्यात्मक वर्गीकरण की नेल्सन की विधि की विवेचना कीजिये।
18. "जनसंख्या पर मार्क्स का विचार अधिक मानवीय है।" टिप्पणी कीजिये।
19. "विकास नियोजन में पर्यावरणीय लागत भी एक घटक है।" विवचेना कीजिये।
20. "प्रादेशिक संश्लेषण भौगोलिक अध्ययनों का मर्म है।" विस्तार कीजिये।
21. "प्रकृति-प्रेरित अकालों की अपेक्षा मानव-प्रेरित अकाल अधिक सामान्य होते जा रहे हैं।" टिप्पणी कीजिये।
22. जनसंख्या प्रवसन पर थियोरियों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये।
23. समसामयिक सदंर्भ में, कृषि अवस्थापना के 'वॉन थ्यूनेन के मॉडल' की प्रासंगिकता की विवेचना कीजिये।
24. "किसी क्षेत्र की विविधता का अध्ययन करने के लिये सांस्कृतिक प्रदेश सर्वाधिक उपयुक्त इकाईयाँ हैं।" टिप्पणी कीजिये।
25. व्यवहारपरक भूगोल के अध्ययन के उपागमों की विवेचना कीजिये।
26. "भौगोलिक अध्ययनों में एक प्रतिमान (पैराडाइम) के रूप में पर्यावरणवाद का पुनर्नवीकरण हुआ है।" टिप्पणी कीजिए।
27. भौगोलिक विशेषक (ट्रेट) प्रादेशिक असंतुलन को जन्म देते हैं।" परीक्षण कीजिए।
28. "विकास नियोजन के लिये जन्म-मरण के आंकड़े आवश्यक संघटक हैं।" सविस्तार समझाइये।

Paper-II

खण्ड - A

1. क्या कारण है कि फार्मास्यूटिकल उद्योग अधिकांशतः देश के पश्चिमी प्रदेश में केंद्रित है?
2. भारत में शीतकालीन वर्षा के प्रतिरूप की व्याख्या कीजिये।
3. जल-विभाजक उपागम एवं ग्राम-स्तरीय नियोजन के मध्य सम्बन्ध की विवेचना कीजिये।
4. प्राकृतिक वनस्पति किस प्रकार स्वस्थाने मृदाओं के निर्माण को प्रभावित करती है?
5. भारत के भूजल संसाधनों के भौगोलिक वितरण का कारण प्रस्तुत करते हुये विवरण दीजिए। हाल के दशकों में इनका कम होना कितना गंभीर रहा है?
6. भारत में पारंपरिक दस्तकारी (क्राफ्ट) उद्योग क्यों हासोन्मुख हैं?
7. भारत में कृषि का आधुनिकीकरण किस प्रकार प्रतिकूल संस्थागत कारकों से प्रभावित हो रहा है, उपयुक्त उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।
8. 'कृषि उत्पादकता' एवं 'कृषि दक्षता' में अंतर स्पष्ट कीजिये, तथा कृषि दक्षता के प्रादेशिक वितरण में असमता पर प्रकाश डालिये।
9. मानचित्र की सहायता से देश के प्रमुख वर्षाधीन कृषि-क्षेत्रों को इंगित कीजिये तथा मुख्यतः इन्हीं क्षेत्रों में कृषकों द्वारा आत्महत्या के कारण बताइये।
10. अर्थव्यवस्था और समाज के विकास में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी के योगदान का मूल्यांकन कीजिये तथा हाल ही में प्रारंभ किये गये 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिये।
11. भारत में बाढ़ों की बढ़ती हुई बारंबारता (फ्रिक्वेंसी) एवं तीव्रता का कारण बताइये, और चिरकालिक बाढ़ प्रवण क्षेत्रों की ओर इशारा करते हुये अल्प एवं दीर्घ अवधि के उपचारात्मक उपाय सुझाइये।
12. जलवायु परिवर्तन भारत की मरूस्थलीकरण प्रक्रिया को किस प्रकार प्रभावित करता है?
13. भारत में 'श्वेत क्रांति' की पुनरावृत्ति की गुंजाइश की विवेचना कीजिये।

खण्ड B

14. "आयु-लिंग पिरामिड किसी प्रदेश के इतिहास को प्रदर्शित करता है।" स्पष्ट कीजिये।
15. "एकल प्रकार्यात्मक शहर आर्थिक दृष्टि से असुरक्षित होते हैं।" विवेचना कीजिये।
16. स्पष्ट कीजिये कि भूमि उपयोग में परिवर्तन किस प्रकार देश में विभिन्न स्तरों पर पारिस्थितिक विकास को प्रोन्नत कर सकता है।
17. बढ़ती हुई दीर्घ-आयुता के सामाजिक एवं स्थानिक परिणामों की व्याख्या कीजिये।
18. हाल की अवधि में पंचायत व्यवस्था के सशक्तीकरण के माध्यम से विकेंद्रित नियोजन भारत के नियोजन का केंद्र-बिन्दु रहा है। समन्वित प्रादेशिक विकास नियोजन की एक रूपरेखा प्रस्तुत कीजिये।
19. जनसंख्या नियोजन में सरकार का बल 'जलसंख्या के नियोजन' पर रहा है, 'जनसंख्या के लिये नियोजन' पर नहीं। सविस्तार स्पष्ट कीजिए।
20. क्या देश में पिछड़े क्षेत्रों के लिये नियोजन करते समय ग्रामों के समूह (ब्लस्टर) हेतु नियोजन एक व्यवहार्य विकल्प हो सकता है? समुचित उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिये।
21. भारत के राष्ट्रीय नियोजन में प्रादेशिक विषमताओं में कमी लाना प्राथमिकता लक्ष्यों में से एक रहा है। प्रस्तावित की स्मार्ट नगरीय केंद्र इस प्रक्रम में किस प्रकार योगदान कर सकते हैं?
22. भारत की 'पूरब देखो' नीति ने पिछले दो दशकों में किस प्रकार मूर्त रूप लिया है तथा यह नीति भारत के विदेशी व्यापार को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है?,
23. भारत के द्वीपीय राज्यक्षेत्र समुद्र स्तर के उत्थान से असुरक्षित हैं। स्पष्ट कीजिये।
24. भारत में कार्यान्वित किये जा रहे बहु-स्तरीय नियोजन की संकल्पना की विवचेना कीजिये, तथा इस संबंध में 73वें एवं 74वें संविधान संशोधनों के निहितार्थों की व्याख्या कीजिए।
25. कृष्णा नदी से संबंधित नदी जल-विवाद का तर्कसंगत विवरण दीजिये।
26. भारत सरकार की पश्चिमी घाटों के संरक्षण की रणनीतियों की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिये।

GS World Committed To Excellence

IAS 2014 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

खण्ड - A

1. शब्द 'विसर्प (मिऐन्डर) परिभाषा दीजिये तथा गभीरीभूत विसर्प (इनट्रेंच्ड मिऐन्डर) और अन्त:कर्तित विसर्प (इन्ग्रोन मिऐन्डर) के बुनियादी अभिलक्षणों का वर्णन कीजिये।
2. 'सिरोको' और 'मिस्ट्रल' के प्रमुख लक्षणों की विवेचना कीजिये।
3. पारिस्थितिक तंत्र के रूप में जीवमण्डल की प्रकृति का एक विवरण दीजिये।
4. यूरेशियाई स्टेपी जीवोम (बायोम) की अद्वितीयता को स्पष्ट कीजिये।
5. सारगैसो सागर और लैगून की उत्पत्ति तथा प्रकृति को सुस्पष्ट कीजिये।
6. प्लेट विवर्तनिकी (प्लेट टेक्टॉनिक्स) की संकल्पना को स्पष्ट कीजिये। यह हिमालय और अपालेशियन पर्वतों के विरचन की व्याख्या करने में किस प्रकार सहायक है?
7. तड़ित्-झंझा (थन्डरस्टॉर्म) की उत्पत्ति तथा विकास का सोदाहरण वर्णन कीजिये।
8. पहाड़ियों में और पहाड़ी ढालों पर बढ़ते पर्यावरण निम्नीकरण के प्रमुख कारणों का उल्लेख कीजिये और निम्नवर्ती घाटी में इसके प्रभाव को स्पष्ट कीजिये।
9. भारतीय मॉनसून की प्रकृति तथा उत्पत्ति और इसके पूर्वानुमान करने की अभिनव तकनीकों की विवेचना कीजिये।
10. अपरदन पृष्ठों की संकल्पना को स्पष्ट कीजिये और उनके विकास के उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालिये।
11. समुद्री प्रदूषण के कारणों और परिणामों का एक समालोचनात्मक विवरण दीजिए।
12. अपक्षय (वेदरिंग) और बृहत् क्षरण (मास वेस्टिंग) की व्याख्या कीजिये तथा उसके भू-आकृतिक महत्व का पर्णन कीजिये।
13. प्राणि-भौगोलिक प्रदेश को परिभाषित कीजिये। नव-आर्कटिक प्राणि-भौगोलिक प्रदेश की मौलिक प्राणिसमूह रचना का भी वर्णन कीजिये।
14. क्लाइव बिलिकन्सन रिपोर्ट के संदर्भ में प्रवाल विरंजन (कोरल ब्लीचिंग) पर हाल के प्रेक्षणों का एक विवरण दीजिये।

खण्ड - B

15. मानसिक मानचित्र (मेंटल मैप) की संकल्पना को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिये।
16. विकासशील देशों में खाद्य सुरक्षा के मुद्दों का एक वितरण दीजिये।
17. प्रति-नगरीकरण (काउंटर-अर्बनाइजेशन) के लिये उत्तरदायी कारकों की विवेचना कीजिए।
18. कृषि-भूमि अर्थव्यवस्था के विकास में ऊर्ध्वोन्मुखी (बॉटम-अप) तथा अधोमुखी (टॉप-डाउन) उपागमों की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिये।
19. भूगोल में प्रतिमानों (मॉडलों) के अनुप्रयोग का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।
20. रोस्टोव द्वारा प्रतिपादित एक राष्ट्र के विकास की उत्प्रस्थान (टेकऑफ) और अनुवर्ती अवस्थाओं की आवश्यक शर्तो की व्याख्या कीजिये।
21. कोयला उत्पादन से संबंधित पर्यावरणीय तथा आर्थिक समस्याओं की विवेचना कीजिये।
22. रैडिकल भूगोल के विकास में भूगोलवेत्ताओं के योगदान की विवेचना कीजिये।
23. उपयुक्त उदाहरण देते हुये भौगोलिक अध्ययन में तंत्र विश्लेषण (सिस्टम अनैलिसिस) के महत्व का वर्णन कीजिये।
24. "नगरीय पौषणीयता (सस्टेनेबिलिटी) के लिये ग्रामीण पोषणीयता आवश्यक है।" समाकलित विकास उपागम की पृष्ठभूमि में इस कथन की विवेचना कीजिये।
25. "सिंधु-गंगा हृदयप्रदेश (हर्थ) विश्व के सर्वाधिक समृद्ध सांस्कृतिक परिमण्डलों में से एक माना जाता है।" परीक्षण कीजिये।
26. नगरीय प्रभाव के दायरे के सीमांकन की गुणात्मक तथा मात्रात्मक विधियों की व्याख्या कीजिये।
27. "संसार वैश्विक संसाधन दुविधा के दौर से गुजर रहा है।" समीक्षा कीजिये।
28. "खाद्य उत्पादकता के साथ पारिस्थितिक तंत्र की शुद्धता आज की आवश्यकता है।" विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिये।

Paper-II

खण्ड - A

1. समझाइये कि किस प्रकार पारिस्थितिक-पर्यटन कार्यकलाप देश के हिमालयी और उत्तर-पूर्वी प्रदेशों में एक महत्वपूर्ण जीविका-विकल्प हो सकते हैं।
2. अपवाह प्रतिरूप किस प्रकार जल-विभाजक (वाटर डिवाइड) के द्वारा निर्धारित होता है।
3. भारत में ताप विद्युत संयंत्रों और कोयला क्षेत्रों की अवस्थिति एक दूसरे की साधक नहीं है। विश्लेषण कीजिये।
4. क्या कारण है कि कृषि और सामाजिक वानिकी अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में सफल नहीं हो पाई है?
5. भारत में लैटेराइट मिट्टी के वितरण पर और कृषि के लिये इसके विशिष्ट उपयोग पर प्रकाश डालिये।
6. दुर्लभ स्पीशीज के विलोपन का उल्लेख करते हुये वन्य-प्राणी संरक्षण के उपाय सुझाइये।
7. भारत में कृष्जि-आधारित उद्योगों की समस्याओं का सामान्य रूप से और कपास वस्त्र उद्योग की समस्याओं का विशेष रूप से वर्णन कीजिये।
8. कावेरी नदी के अपने नदीय क्षेत्र में, उसकी सामजिक-आर्थिक और पारिस्थितिक भूमिकाओं को उजागर कीजिये।
9. राष्ट्रीय जलमार्ग सं. 1 की समस्याओं और संभावनाओं की विवेचना कीजिए।
10. 'भारत में निर्माण करो' संकल्पना की व्याख्या कीजिए एवं उसकी सफलता के लिये अत्यावश्यक तत्वों (इनपुटों) को इंगित कीजिये।
11. रायलसीमा प्रदेश के प्रमुख जलवायवी अभिलक्षणों का वर्णन कीजिये।
12. 'हरित क्रांति के विभिन्न नकारात्मक प्रभावों के बावजूद, नई हरित क्रांति के लिये माँग हो रही है।' स्पष्ट कीजिये।
13. कुटीर उद्योग के विकास की प्रोन्नति करने के लिये हमारी व्यापार नीति में कौन-से वांछित परिवर्तन संभव है।

खण्ड B

14. भारत में ह्रासोन्मुख शिशु लिंगानुपात के निहितार्थों पर प्रकाश डालिये।
15. भारत में 'स्मार्ट नगरों' के विकास की साध्यता का विश्लेषण कीजिये।
16. भारत में अनावृष्टि प्रवण क्षेत्रों की पहचान करने की कसौटियों पर टिप्पणी कीजिये।
17. पड़ोसी देशों पर, भारत के राजनैतिक प्रभाव के निर्धारण में, भू-भाग (टैरेन) की भूमिका पर प्रकाश डालिये।
18. उत्प्रवासन (ऐमिग्रेशन) में प्रवृत्तियों पर, उसके प्रमुख दबाव पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुये चर्चा कीजिये।
19. शहरी संकुलनों (अर्बन ऐग्लोमरेशन्स) की बहुविध समस्याओं के कारण बताइये।
20. पिछड़े प्रदेश अनुदान निधि कार्यक्रम का मूल्यांकन कीजिये।
21. एक अर्थपूर्ण कौशल विकास कार्यक्रम पहाड़ी क्षेत्रों की आर्थिक संवृद्धि में किस प्रकार योगदान दे सकता है?
22. भूकम्प की 'तीव्रता' और उसके 'परिणाम' में विभेदन कीजिये और भारत के विभिन्न भागों में इसके भिन्न-भिन्न प्रभाव को स्पष्ट कीजिये।
23. हिन्द महासागर के उल्लेख के साथ भारत की रणनीतिक अवस्थिति के निहितार्थों पर चर्चा कीजिये।
24. भारत कई सीमा-विवादों में उलझा हुआ है। इसके कारणों और उपचारों की व्याख्या कीजिये।
25. कमान क्षेत्र विकास (कमांड एरिया डवेलेपमेंट) की संकल्पना की विवेचना कीजिये और इंदिरा गांधी नहर के संदर्भ में इसकी सफलता का मूल्यांकन कीजिये।
26. अनुपर्युक्त नगरीय भूमि उपयोग नीति, किस प्रकार के महानगरों के अन्दर और उनके आस-पास अवांछित विकास का कारण बन चुकी है?

GS World Committed To Excellence

IAS 2013 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

खण्ड - A

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए जो, प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हो:
   - (a) डेविस के सामान्य चक्र और शुष्क चक्र के बीच अंतर।
   - (b) झंझा मह्योमियों और सरतल दोलनों के गबीच विभेदन कीजिये।
   - (c) नोटोजिअन क्षेत्र में प्राणिजात की विलक्षणता
   - (d) अत्यंत नूतन हिमकाल का पृथ्वी की पर्पटी पर प्रभाव
   - (e) विशेषक्षेत्री पादपों के प्रकार और विलोपन के प्रति उनकी सुभेद्यता की मात्रा।

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:
   - (a) उपयुक्त उदाहरणों सहित, किसी क्षेत्र की जलवायु पर स्थानीय पवनों के प्रभाव को उजागर कीजिए।
   - (b) वे कौन-से अभिलक्षण हैं, जो सी.एच.सी. (CHC) को पारिस्थितिक तंत्र के लिए गंभीर खतरा बना देते हैं? उदाहरण दीजिए।
   - (c) 'निम्न तल' से क्या तात्पर्य है? निम्नतल के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में हो:
   - (a) "अपतट ध्वानिक अध्ययन ने समुद्र अधस्तल विस्तारण की संकल्पना के विकास में सहायता प्रदान की थी।" स्पष्ट कीजिए।
   - (b) ओसांक और संघनन के विभिन्न रूपों पर चर्चा कीजिए।
   - (c) पर्वत जीवोम में जलवायु और वनस्पति के बीच के संबंध को उजागर कीजिए।

4. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 400 शब्दों में हो:
   - (a) प्रवाल भित्तियों के विरचन पर अवतलन और हिमानी नियंत्रण सिद्धांतों की तुलना कीजिए।
   - (b) ध्वनि प्रदूषण के स्तरों और उसका नियंत्रण करने के विधायी अध्युपायो को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - B

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए जो, प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हो:
   - (a) "ऐलन चर्चिल संपल निर्धारणवाद का एक प्रचंड पोषक है।" स्पष्ट कीजिए।
   - (b) तेल के उत्पादन और निर्यात में वेनेजुएला की भूमिका।
   - (c) ग्रामीण-शहरी प्रक्रम की मिश्रा की सैद्धांतिक अवस्थाएं।
   - (d) नाभिकीय शक्ति की कामबंदी के मामले में ज्यादा प्रभावित देश।
   - (e) समकालीन संसार में 'केंद्र-स्थल सिद्धांत' की प्रासंगिकता।

GS World Committed To Excellence

6. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में हो:

(a) जराचिकित्सा किसको कहते हैं? वृद्धजन आबादी से संबद्ध क्या-क्या समस्याएं होती हैं?

(b) संसार में कॉफी के उत्पादन और निर्यात के परिवर्तनशील प्रारूप पर चर्चा कीजिए।

(c) क्रिस्टेलर के 'केन्द्री स्थल मॉडल' में आधारित अभिधारणाएं क्या हैं?

7. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में हो:

(a) "शहरी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन महानगरीय योजनाकरण में सबसे बड़ी चुनौती प्रस्तुत करता है।" सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

(b) उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में मत्स्यन क्षेत्रों के, तुलनात्मक दृष्टि से अल्प विकास के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

(c) संसार में मानव विकास सूचकांक के आकलन और स्थानिक प्रारूप के लिए प्राचलों को स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 400 शब्दों में हो:

(a) "नगरी भूगोल और कुछ नहीं केवल नगर 'भीतर' क्षेत्र और नगर 'के रूप में' क्षेत्र है।" सविस्तार समझाइए।

(b) विश्व व्यापार के प्रारूप में परिवर्तनों के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

Paper-II

खण्ड - A

1. (a) दिए गए भारत के मानचित्र पर निम्नलिखित सभी को अंकित करें। अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए:

(i) मिशमी पहाड़ियाँ (ii) लीपूलेख दर्रा (iii) व्यास नदी

(iv) रिहंद बाँध (v) अमरनाथ

(b) शिवालिक श्रेणी की स्थलाकृतिक व संरचनात्मक विशेषताओं का विवरण दें।

(c) भारत के मानसून तंत्र की विवेचना करें।

(d) भारत के प्रमुख औद्योगिक खण्डों को चिह्नित करें और उनके विकास का विवरण दें।

(e) भारत के संदर्भ में फसल-संघ क्षेत्रों को चित्रित करने की प्रणाली को विस्तार से समझाएं।

2. (a) पश्चिमी व मध्य हिमालय में बागवानी की संभावनाओं और वर्तमान स्थिति की विवेचना करें।

(b) भारत के कोयला भण्डारों को चित्रित करें और उनकी विशिष्ट विशेषताएं भी बताएं।

(c) बहुराष्ट्रीय इकाइयों की भारत में औद्योगिक भूमण्डलीयकरण संबंधी भूमिका का विवरण दें।

3. (a) भारत में उद्योगों के वितरण पैटर्न, देश को विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में बॉटले का आवश्यक आधार प्रदान नहीं करता। इसको विस्तार से बताएं।

(b) भारत में कृषि पैटर्न को आकार देने में संस्थागत कारकों की भूमिका की विवेचना करें।

(c) 'युवा भारत' से आप क्या समझते हैं? वर्तमान जनसंख्या रचना को किस प्रकार देश के लिए सम्पत्ति में परिवर्तित किया जा सकता है?

4. (a) भारत की नदियों के अंतर्प्रवाह (आपवस में जोड़ने) की व्यवहारिता ओर इससे संभावित जल-समस्या के समाधान में योगदान पर टिप्पणी करें।

(b) कृषि उत्पादकता को परिभाषित करें। उसकी माप की प्रणाली बताएं और उसके क्षेत्रीय वितरण की असमताओं को इंगित करें।

(c) भारत के औद्योगिक क्षेत्र में भूमण्डलीय और उदारीकरण से हो सकने वाले लाभों की प्राप्ति में आने वाली समस्याओं की विवेचना करें।

GS World Committed To Excellence

खण्ड B

5. प्रश्न संख्या 5(a) से 5(d) के लिए प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में लिखें तथा प्रश्न संख्या 5(e) का उत्तर उसमें दिए गए निर्देशानुसार दें।

(a) क्षेत्रीय नियोजन व विकास के लिए शहरी क्षेत्रों को प्रादेशिक इकाई बनाना।

(b) भारत की खाद्य (अन्न) सुरक्षा नीति में कमियाँ।

(c) जनसांख्यिकी लाभ और भारतीय सामाजिक-आर्थिक वातावरण पर उसका प्रभाव।

(d) भारत में 'आदिवासी क्षेत्रों' का योजनाकरण और विकास।

(e) दिए गए भारत के मानचित्र पर निम्नलिखित सभी को अंकित करें। अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणी/सांस्कृतिक महत्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखें-

(i) राजगीर (ii) सिन्द्री (iii) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 24

(iv) चुर्क (v) इंदिरा गांधी नहर

6. (a) हिन्द महासागर क्षेत्र की भूराजनीति पर एक आलेख लिखें।

(b) वर्ष 2000 में भारत में नए राज्यों की स्थापना के आधार पर टिप्पणी करें।

(c) भारत में विकास के मूल संकेतों को लिपिबद्ध करें और विकास में स्थानिक असमानताओं को चिन्हित करने में उनके उपयोग का विवरण दें।

7. (a) औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रीय निबटान प्रणाली के निर्गमन पर एक टिप्पणी लिखें और स्वाधीनता उपरान्त जिन कारकों ने शहरीकरण में योगदान दिया, उनकी चर्चा करें।

(b) गंदी बस्तियों (स्लम्स) को परिभाषित करें और उनसे जुड़ी समस्याओं का वर्णन करें।

(c) भारत में 'समावेशी ग्रामीण विकास' कार्यक्रम के लिए व्यवहार्य गाँव इकाई के निर्माण में 'विजन 2020' के उद्देश्यों की विवेचना करें।

8. (a) भूकंप-प्रवण क्षेत्रों को चिन्हित करें और उनके प्रबंधन हेतु रणनीति का सुझाव दें।

(b) भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विकास पर भाषा-आधारित विषमताओं के प्रभाव की विवेचना करें।

(c) भारत में शहरीकरण किस प्रकार वायु व जल प्रदूषण फैलाता है, वर्णन करें।

GS World Committed To Excellence

IAS 2012 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

खण्ड - A

1. निम्नलिखित कथनों का समालोचनापूर्वक मूल्यांकन कीजिए जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए:
   (a) महाद्वीपीय विस्थापन का पुराजीवी हिमानी प्रमाण।
   (b) भू-आकृति विश्लेषण में तंत्र उपगमन
   (c) उष्णकटिबंधीय चक्रवात और शीतोष्ण चक्रवात की तुलना कीजिए एवं विपरीतता दर्शाइए।
   (d) अंतर्राष्ट्रीय भूमण्डल जीवमण्डल कार्यक्रम का प्रमुख अवयव।
   (e) वितलीय मैदान के ऊपर समुद्री जल की भिन्न परत।

2. निम्नलिखित प्रत्येक उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए:
   (a) ढाल प्रतिस्थापना सिद्धांत में बोच और हाल्डेनहैग के योगदान की व्याख्या कीजिए।
   (b) वायुराशि को विभक्त कीजिए और भू-मण्डलीय जलवायु पर 'cP' वायुराशि के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में हो:
   (a) विभिन्न प्रकार के खनन कैसे विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं को निर्देश करते हैं, विवेचना कीजिए।
   (b) इथोपियन परिमण्डल में प्राणियों का अनुकूलन एवं वितरण।
   (c) भू-मण्डलीय जलवायु पर तुषार मण्डल (क्रायोस्फेयर) का प्रभाव।

4. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में होना चाहिए:
   (a) मानक अधिपृष्ठजन अपरदन-चक्र की विशेषता
   (b) भू-तंत्र अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद् द्वारा प्रस्तावित प्रोग्राम
   (c) "प्रवाल भित्ति के विकास में प्रवाल द्वीप वलय चुनौतीपूर्ण व्याख्या प्रस्तुत करता है।" विवेचना कीजिए।

खण्ड - B

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त व्याख्यात्मक टिप्पणियां लिखिए:
   (a) भारतीय नगरों में दूरी क्षय सिद्धांत की प्रासंगिकता।
   (b) नगरीय जनसांख्यिकी पर प्रवास का प्रभाव।
   (c) दक्षिण महाद्वीपों में जनसंख्या वितरण की समानता एवं उनके कारण।
   (d) विश्व में शिशु मृत्यु दर की स्थिति।
   (e) जड़त्व आधारित औद्योगिक विकास की समस्याएं।

6. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए:

(a) नगरीय केंद्रों के जनसंख्या घनत्व के वितरण संबंधित विभिन्न प्रतिमानों का मूल्यांकन कीजिए।

(b) "यद्यपि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण है, नगरीय नियोजन भारत के विकास में निर्णायक है।" विवेचना कीजिए।

7. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में होना चाहिए:

(a) जल-विभाजक नियोजन के प्रमुख लक्षण एवं उसके लाभ और हानियाँ।

(b) विश्व में परिवर्तित उर्वरता अनुपात का जनसंख्या वितरण पर प्रभाव।

(c) "दक्षिण-पूर्व एशिया के अधिकतर देशों में उपनिवेशी शक्तियों ने नगरीय प्रक्रिया के प्रारूप में प्रमुख शहर (प्राइमेट) पैदा किए।" विवेचना कीजिए।

8. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में होना चाहिए:

(a) सन् 1950 के उपरान्त विश्व के नगरीकरण में क्षेत्रीय स्थानान्तरण एवं नगरीय प्रक्रिया की विविध विशेषताएं।

(b) गुजरात कृषि-जलवायविक प्रदेश में विफल मानसून का प्रभाव।

(c) यूरोप अर्थव्यवस्था में रॉटरडम का स्थानिक महत्व।

Paper-II

खण्ड - A

1. (a) आपको दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित सभी की अवस्थिति को चिन्हित कीजिए, जिसके लिए प्रत्येक सही प्रविष्टि पर 1(एक) अंक दिया जाएगा।

प्रत्येक प्रविष्टि के लिए अपनी उत्तर-पुस्तिका में अवस्थितियों की महत्वपूर्ण भौगोलिक प्रासंगिकता या सामरिक महत्व भी लिखिए, चाहे वह भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक कोई भी हो। प्रत्येक प्रविष्टि के लिए यह लेखन 30 से अधिक से अधिक शब्दों में नहीं होना चाहिए। प्रत्येक लेखन के लिए तीन (3) अंक नियत किए गए हैं।

(a) मनास	(b) बचाऊ	(c) इलाहाबाद से गंगानदी जलमार्ग
(d) इन्द्रवती नदी	(e) आम्रावती नदी	(f) पीर पंजाल श्रेणी
(g) नारकोण्डम द्वीप	(h) खरकई नदी	(i) कालाहाण्डी
(j) काकड़ापाड़ा	(k) मुर्शिदाबाद	(l) खेतड़ी
(m) पावापुरी	(n) कोल्हन हाइलैण्ड	(o) उत्तरी कोयल नदी

2. (a) दक्कन के पठार की संरचनात्मक विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

(b) स्टाम्प के जलवायु प्रादेशिकरण के विशेष सन्दर्भ में भारत के जलवायु प्रदेशों के सीमांकन में वर्षा तथा तापक्रम के स्थानिक प्रतिरूप की भूमिका की विवेचना कीजिए।

3. (a) भारत की खनिज पेटियों को सीमांकित कीजिए तथा उनकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(b) भारत को कृषि प्रदेशों में विभाजित कीजिए। किसी एक कृषि प्रदेश में कृषि अर्थतंत्र के रूपान्तरण के लिए उत्तरदायी पारिस्थितिक एवं मानवीय कारकों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

GS World Committed To Excellence

4. निम्नलिखित में प्रत्येक का उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखिए:

(a) भारत में सूती वस्त्र उद्योग के विकास का वर्णन कीजिए।

(b) विस्तृत रूप में जिस क्षेत्र का आपने अध्ययन किया हो, उससे उपयुक्त उदाहरण देते हुए प्रादेशिक विकास में सड़क परिवहन की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

(c) भारत के प्रमुख कृषि-औद्योगिक प्रदेशों के स्थानिक प्रतिरूप की पहचान कीजिए। भविष्य के महत्वपूर्ण कृषि-औद्योगिक प्रदेश के रूप में मालवा की संभावनाओं का विश्लेषण कीजिए।

खण्ड B

5. निम्नलिखित में प्रत्येक के संबंध में लगभग 150 शब्दों में लिखिए:

(a) अभिज्ञान प्रसार को प्रभावित करने वाले कारक।

(b) उत्तर-पूर्वी राज्यों में भाषाई विविधता।

(c) भारत के विभिन्न राज्यों में साक्षरता में भिन्नता के भौगोलिक कारण बताइए।

(d) भारत में सुनामी प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कीजिए तथा उनके प्रबन्धन की समस्याओं का वर्णन कीजिए।

(e) पहाड़ी प्रदेशों में स्थिति गाँवों की आकारिकीय विशेषताएँ।

6. (a) भारत की जनसंख्या नीति का मूल्यांकन कीजिए तथा राष्ट्र के जनसंख्या नियंत्रण पर उसकी प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

(b) भारत में विभिन्न प्रकार की ग्रामीण बस्तियों के विकास को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारकों का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

7. (a) चीन-भारत सीमा विवाद के उद्भव, विस्तार एवं विवक्षाओं का परीक्षण कीजिए।

(b) मध्यगंगा मैदान में बाढ़-विभीषिका के कारणों, परिणामों तथा उपचारी उपायों को स्पष्ट कीजिए। अपने उत्त. र-पुस्तिका में एक रेखाचित्र पर मध्यगंगा मैदान के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को प्रदर्शित कीजिए।

8. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए:

(a) गंगा-कावेरी सम्पर्क नहर के विशेष सन्दर्भ में भारत में नदी गठजोड़ की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

(b) आयु संरचना किस प्रकार निर्भरता अनुपात को प्रभावित करती है।

(c) जनजातीय क्षेत्रों के विकास में जनजातीय विकास खण्डों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

GS World Committed To Excellence

IAS 2011 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

खण्ड - A

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए:
   - (a) भूचुंबकत्व और पुराचुंबकत्व
   - (b) रौस्बी तरंगें और जेट प्रवाह
   - (c) हिंद महासागर में लवणता प्रतिरूप
   - (d) जोनीय और अजोनीय मृदाओं में मृदा चित्र
   - (e) समुद्री पारिस्थितिक तंत्र

2. (a) अपरदन के जलवायु के द्वारा नियंत्रित कारकों के नाम बताइए। स्पष्ट कीजिए कि वे द्रव्य के गुणधर्मों की दृष्टि से किस प्रकार एक-दूसरे से भिन्न हैं उनमें से प्रत्येक द्वारा निर्मित स्थलरूपों की तुलना कीजिए।
   (b) समस्थिति की सकंल्पना को, ऐयरी और प्रैट द्वारा उसके अभिग्रहण के अनुसार, स्पष्ट कीजिए।
3. (a) वर्षण के वैश्विक वितरण का एक विवरण पस्तुत कीजिए।
   (b) "समाकालीन वैश्विक जलवायु परिवर्तन एक मानवोद्‌भवी परिघटना है" चर्चा कीजिए।

4. (a) "महासागर जल में ताप, लवणता और घनत्व के अंतर महासागर जल के परिसंचरण के प्रधान कारण हैं।" विस्तार से स्पष्ट कीजिए।
   (b) जीवोम शब्द की परिभाषा कीजिए। स्थलीय जीवोमों की सूची तैयार कीजिए और सवाना जीवोम के अभिलक्षणों का वर्णन कीजिए।

खण्ड - B

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त व्याख्यात्मक टिप्पणियां लिखिए:
   - (a) मानव भूगोल में कल्याण उपागम।
   - (b) विकासशील विश्व में शहरीकरण के संदर्भ में गौण शहर।
   - (c) औद्योगिक अवस्थापन की थियोरी में अइसोडापेन।
   - (d) जनसंख्या और खाद्य सुरक्षा।
   - (e) धारणीय विकास के अवयव।

6. (a) भूगोल में रूपावली प्रतिस्थापन में प्रत्यक्षवाद (पौजिटिविज्म) के प्रभाव पर चर्चा कीजिए।
   (b) पिछड़े प्रदेशों के लिए योजनाकरण की वैकल्पिक रणनीतियों को गिनाइए।

7. (a) 'परिसीमाओं' और 'सीमांत क्षेत्रों' के बीच विभेदन कीजिए। विभिन्न प्रकार की परिसीमाओं की पहचान कीजिए।
   (b) व्हिटलैसी के द्वारा किए गए वर्गीकरण के अनुसार, कृषि प्रदेशों का उल्लेख कीजिए और उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

8. (a) तंत्र उपागम और भूगोल में उसकी अनुप्रयोग्यता पर चर्चा कीजिए।
   (b) क्रिस्टैलर और लौश द्वारा प्रतिपादित केन्द्रीय स्थान थियोरी के प्रमुख अभिलक्षणों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

GS World Committed To Excellence

Paper-II

खण्ड – A

1. (a) आपको दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित सभी की अवस्थिति को चिन्हित कीजिए, जिसके लिए प्रत्येक सही प्रविष्टि पर 1(एक) अंक दिया जाएगा।
प्रत्येक प्रविष्टि के लिए अपनी उत्तर-पुस्तिका में अवस्थितियों की महत्वपूर्ण भौगोलिक प्रासंगिकता या सामरिक महत्व भी लिखिए, चाहे वह भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक कोई भी हो। प्रत्येक प्रविष्टि के लिए यह लेखन 30 से अधिक से अधिक शब्दों में नहीं होना चाहिए। प्रत्येक सही अंकित अवस्थिति लेखन के लिए चार (4) अंक नियत किए गए हैं।

(a)	बादामी	(b)	मान्डवी	(c)	दोदीताल
(d)	यानम	(e)	नेतरहाट	(f)	शमसाबाद
(g)	लक्ष्मणतीर्थ नदी	(h)	बारा लाचा दर्रा	(i)	काकोलत झरना
(j)	सिंगरौली	(k)	डफला पहाड़ी	(l)	ट्री द्वीप

2. भारत की हिमालय एवं प्रायद्वीपीय नदियों की प्रवृत्ति का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए तथा देश की सिंचाई तंत्र में उनके निहितार्थ का परीक्षण कीजिए।

3. (a) भारत के सुरक्षित जैवमण्डलों की पहचान कीजिए तथा वन एवं वनीय जीवन के संरक्षण में उनकी भूमिका का विवेचना कीजिए।
(b) भारत के समुद्री संसाधनों के विकास की संभावित एवं संभावना का एक ब्योरा दीजिए।

4. (a) गंगा के मैदान में मत्स्य उद्योग की संभावना एवं स्तर की विवेचना कीजिए।
(b) भारत में औषधीय उद्योग के विस्तार एवं विकास का मूल्यांकन कीजिए।

खण्ड B

5. निम्नलिखित में प्रत्येक के संबंध में लगभग 200 शब्दों में लिखिए:
(a) भारत में सतरंगी क्रांति की संभावना।
(b) करेवा निक्षेप तथा उनका आर्थिक महत्व।
(c) भारत में भू-धारणा का कृषि उत्पादकता पर प्रभाव
(d) भारत में कृषि वानिकी।

6. (a) भारत में बढ़ती हुई वायु परिवहन के महत्व का मूल्यांकन कीजिए तथा देश के प्रादेशिक विकास में इसकी भूमिका का परीक्षण कीजिए।
(b) भारत में अन्तर-प्रदेशीय प्रवसन के स्थानीय प्रारूप की विवेचना कीजिए तथा देश के प्रादेशिक विकास में इसके निहितार्थ का परीक्षण कीजिए।

7. (a) सन्नगर एवं महानगरीय प्रदेश में अंतर स्पष्ट कीजिए। भारत में उभरते हुए सन्नगर का एक सकारण ब्योरा दीजिए।
(b) भारत में खड्ड प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कीजिए तथा उनके उद्धार के पर्यावरणीय एवं आर्थिक प्रभावों की विवेचना कीजिए।

8. (a) भारत में नगरीय अपशिष्ट द्वारा उत्पादिक पर्यावरणीय निम्नीकरण की समस्याओं पर परिचर्चा कीजिए।
(b) भारत में मरुस्थलीकरण के कारणों की व्याख्या कीजिए। एक रेखाचित्र पर देश के मरुस्थलीय प्रदेशों को प्रदर्शित कीजिए तथा उसके नियंत्रण के उचित उपायों को सुझाइए।

GS World Committed To Excellence

Paper-I

खण्ड - A

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में होना चाहिए:
   (a) कार्स्ट स्थलाकृति के विकास के लिए अत्यावश्यक दशाएँ
   (b) महासागरी निक्षेप
   (c) ताप-व्युत्क्रमण
   (d) पादपी जगत, अपने वैश्विक वितरण पर आधारित

2. (a) भूगर्भ की संरचना के निर्धारण में भूकंपी अध्ययन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।
   (b) "अपक्षयण एक जटिल परिघटना है, सिजमें अनेक प्रक्रम शामि हैं और जो विभिन्न कारकों के द्वारा प्रभावित होती है।" सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

3. (a) 'ध्रुवीय वाताग्र' किसे कहते हैं? इस वाताग्र के साथ-साथ चक्रवात किस प्रकार पैदा हो जाता है? उससे संबद्ध मौसम-दशाओं का वर्णन कीजिए।
   (b) वायुमंडलीय आर्द्रता के विभिन्न प्रकारों और उनके संबद्ध रूपों का परीक्षण कीजिए।

4. (a) अनुगभीर-सांख्यिकी की वैज्ञानिकत: ठोस विधियों को स्पष्ट कीजिए और अटलांटिक महासागर की तली स्थलाकृति का एक विवरण प्रस्तुत कीजिए।
   (b) पारिस्थितिक तंत्र की संरचना का एक विवरण लिखिए और उसके प्रकार्यात्यक पक्षों का वर्णन कीजिए।

खण्ड - B

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त व्याख्यात्मक टिप्पणियां लिखिए:
   (a) नव-निश्चयवाद
   (b) पाश्चात्य संस्कृति परिमंडल
   (c) इष्टतम जनसंख्या
   (d) संवृद्धि ध्रुव
   (e) आर्थिक किराए की वॉन थुनेन की संकल्पना

6. (a) मानव किवास सूचकांक को व्युत्पन्न करने की विधि का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
   (b) "दुर्भिक्ष, एक बड़ी सीमा तक, एक मनुष्य-निर्मित जोखिम है।" सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

7. (a) क्षेत्रीय विभेदन की संकल्पना पर बदलते हुए संदर्शो का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
   (b) ई.डब्ल्यू. बर्गेस, होमर हौएट और हैरिस और उलमैन के द्वारा नगर संरचना के मॉडलों में आनुक्रमिक सुधारों पर प्रकाश डालिए।

8. (a) विश्व व्यापार के प्ररूप में निर्धारण में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका पर चर्चा कीजिए।
   (b) "विकासशील देशों की विशाल जनसंख्याएं अभिशाप नहीं है। ये एक परिसम्पत्ति हो सकती हैं और ये हैं भी, यदि स्थितियों का सुचारु प्रबंधन किया जाए।" इस निश्चयात्मक कथन को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

GS World Committed To Excellence

Paper-II

खण्ड - A

1. (a) आपको दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित सभी की अवस्थिति को चिन्हित कीजिए, जिसके लिए प्रत्येक सही प्रविष्टि पर 1(एक) अंक दिया जाएगा।

प्रत्येक प्रविष्टि के लिए अपनी उत्तर-पुस्तिका में अवस्थितियों की महत्वपूर्ण भौगोलिक प्रासंगिकता या सामरिक महत्व भी लिखिए, चाहे वह भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक कोई भी हो। प्रत्येक प्रविष्टि के लिए यह लेखन 30 से अधिक से अधिक शब्दों में नहीं होना चाहिए। प्रत्येक सही अंकित अवस्थिति लेखन के लिए तीन (3) अंक नियत किए गए हैं।

(a) नार्कोडम (b) कावायी (c) कृष्णापटनम्
(d) शादनगर (e) गहिरमठा (f) पॉइंट कालिमिर
(g) जैतपुर (h) परिच्छा (i) साल्तोरो कांगरी
(j) शेनकौटा अंतराल (k) बनास नदी (l) फाल्गु नदी
(m) सिरपुर (n) सनंद (o) द्रास

2. हिमालयी पर्वतन को स्पष्ट कीजिए और उदाहरण के साथ समझाइए कि इस प्रक्रम ने हिमालय के बृहत् विभाजनों के भू-आकृतिक अभिलक्षणों को किस प्रकार प्रभावित किया है।

3. (a) रेखाचित्रित मानचित्र की सहायता से भारत में प्राकृतिक वनस्पति के स्थानिक वितरण पर चर्चा कीजिए।
(b) बिहार में कृषि-आधारित उद्योगों की समस्याओं और संभावनाओं का परीक्षण कीजिए।

4. (a) भारत में भू-पृष्ठ जल उपयोग के उभरते प्रतिरूप पर चर्चा कीजिए।
(b) आकलन कीजिए कि भू-पृष्ठ जल उपयोग किस प्रकार से देश में खाद्य उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है।

खण्ड B

5. निम्नलिखित में प्रत्येक के संबंध में लगभग 250 शब्दों में लिखिए:
(a) सीमापार आतंकवाद में भू-आकृति की भूमिका
(b) अपतट तेल क्षेत्र और तटीय पारिस्थितिकी
(c) भारत में मृदा अपरदन का स्थानिक प्रतिरूप
(d) उत्तर-पूर्वी राज्यों की नृजातीय विविधता

6. (a) 'जानपादिक रोग' की परिभाषा कीजिए और भारत में चिकुनगुनिया की उपस्थिति पर चर्चा कीजिए।
(b) रेखाचित्रित मानचित्र की सहायता से चिकुनगुनिया के द्वारा प्रभावित प्रदेशों की पहचान कीजिए और रोग के प्रादेशिक प्रतिरूप पर प्रकाश डालिए।

7. (a) भारत के नगरीय प्रक्रम में वर्ग II में वर्ग III नगरों की भूमिका की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए और संतुलित नगरीय विकास की दिशा में उनके योगदान का उल्लेख कीजिए।
(b) नेशनल पार्क का निर्माण पारिस्थितिक पुन:स्थापन एवं संरक्षण में किस प्रकार सहायक होता है? उपयुक्त उदाहरणों सहित इस बात को समझाइए।

8. (a) स्पष्ट कीजिए कि जनांकिकीय संक्रमण ने किस प्रकार समकालीन भारत में जनांकिकीय विभाजक पैदा किया था।
(b) प्रादेशिकता से क्या तात्पर्य है? उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए कि प्रादेशिकता किस प्रकार विकासात्मक प्रक्रम पर प्रभाव डालती है।

GS World Committed To Excellence

IAS 2009 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

खण्ड - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक भाग के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हो:
   (a) अपरदन के द्वितीय चक्र के अधीन स्थलाकृतियों में आवश्यक रूप से पाए जाने वाले भूआकृतिक लक्षणों पर प्रकाश डालिए।
   (b) प्रमुख भू-बायोमों और उनके अक्षांशीय वितरण का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए।
   (c) ऐल.सी. किंग द्वारा प्रदत्त प्रवणता विकास पर विचारों पर चर्चा कीजिए।

2. (a) आपको दिए गए संसार मानचित्र पर संख्यांकों (i) से (x) तक चिह्नित प्रत्येक लक्षण की पहचान कीजिए। प्रत्येक लक्षण की पहचान के लिए दो अंक नियत किए गए हैं।
   (b) प्रत्येक लक्षण की अवस्थिति का जी.ऐम.टी. (+) या (–) के अनुसार उल्लेख कीजिए। प्रत्येक उल्लेख के लिए एक अंक नियत किया गया है।
   (c) पहचान किए गए प्रत्येक लक्षण के महत्व पर लगभग 40 शब्दों में एक आलेख लिखिए। प्रत्येक आलेख के लिए तीन अंक नियत किए गए हैं।

3. (a) वैश्विक जलवायु परिवर्तन में योगदान देने वाले कारकों को स्पष्ट कीजिए।
   (b) जलवायु परिवर्तन के कृषि, खाद्य सुरक्षा और संसार के तटीय क्षेत्रों पर पड़ने वाले परिणामों पर चर्चा कीजिए।
   (c) जलवायु परिवर्तन नगरीय क्षेत्रों को किस प्रकार प्रभावित करता है?

4. (a) हिंद महासागर के महाद्वीपीय शेल्फ के संसाधनों के आर्थिक महत्व का परीक्षण कीजिए।
   (b) समुद्री ऊष्मा बजट और महासागरीय परिसंचरण तंत्र पर टिप्पणी कीजिए।

खण्ड - B

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में होनी चाहिए:
   (a) भार त्रिकोण
   (b) 'संवृद्धि की सीमाएं' माडल
   (c) उष्णकटिबंधीय वायुमंडलीय अस्थिरता
   (d) क्षेत्रीय और अक्षेत्रीय मृदाएं
6. (a) खाद्य के वैश्विक उत्पादन और वितरण का एक भौगोलिक विवरण प्रस्तुत कीजिए।
   (b) "मात्रात्मक क्रांति और मॉडल निर्माण ने भौगोलिक अनुसंधान के लिए एक आनुभविक आधार प्रदान किया।" विस्तारपूर्वक सुस्पष्ट कीजिए।

7. बृहत्तर महानगर की संकल्पना को सुस्ष्ट कीजिए और उत्तरी अमरीका और यूरोप से एक-एक ऐसे प्रदेश को चुन कर, कुल दो ऐसे प्रदेशों से संबंधित अभिलक्षणों और समयाओं पर चर्चा कीजिए।

8. (a) संसार के सांस्कृतिक प्रदेशों का एक मोटा-मोटा वर्गीकरण प्रदान कीजिए।
   (b) प्रादेशिक योजनाकरण में पर्यावरणीय मुद्दों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

GS World Committed To Excellence

Paper-II

खण्ड - A

1. (a) आपको दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित में से किन्हीं पंद्रह की अवस्थिति को चिन्हित कीजिए, जिसके लिए प्रत्येक सही प्रविष्टि पर एक अंक दिया जाएगा। उन्हीं अवस्थितियों की महत्वपूर्ण भौगोलिक प्रासंगिकता या सामरिक महत्व, चाहे वह भौतिक, वाणिज्यिक, आर्थिक, पारिस्थितिक, पर्यावरणीय या सांस्कृतिक हो, को 30 शब्दों के भीतर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। प्रत्येक सही आलेख के लिए तीन (3) अंक नियत किए गए हैं।

(a) अकारिमोटा (b) कोलेरू झील (c) वान टीवू (d) मौन घाटी
(e) अमरावती नदी (f) पिरोटन द्वीप (g) मंगला (h) मेघनगर
(i) शिप्की ला (j) भचाऊ (k) सुंदरी वृक्ष का उद्गम स्थल
(l) नर्मदा नदी का उद्गम स्थल (m) गोकक (n) केन नदी
(o) बैलाडिला (p) भवानी सागर बाँध (q) कुत्रालम प्रपात (r) डल्मा पहाड़ियाँ
(s) धंजोरी पहाड़ियाँ (t) रंगित नदी

2. (a) भारत के प्रमुख मृदा प्रकारों के विरचन एवं उनके वितरण पर चर्चा कीजिए।
(b) कारण बताइए कि वर्षा परिवर्तनशीलता भारत के मानसून का एक विशिष्ट अभिलक्षण क्यों है।

3. भारत के पश्चिमी और पूर्वी समुद्रतटों के बीच, उनके विकास, वर्तमान स्थलाकृति और उपवाह प्रतिरूप की दृष्टि से, विभेदन कीजिए।

4. भारत में लोहा और इस्पात उद्योग की अवस्थिति में कच्चे माल की भूमिका का परीक्षण कीजिए। उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, अपने उत्तर को सुस्पष्ट कीजिए।

खण्ड B

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों:
(a) भारत के प्रादेशिक विकास में त्रिक परिवहन प्रणाली की क्या भूमिका है?
(b) भारत में चीनी उद्योग के वितरण के लिए जिम्मेदार कारकों को स्पष्ट कीजिए।
(c) भारत में ग्रामीण घर प्रकारों को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारकों का कथन कीजिए।
(d) भारत के चिरकालीन सूखा-प्रवण क्षेत्रों की पहचान कीजिए और उकने कारणों को बताइए।

6. भारत के औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण निम्नीकरण के कारण और उसके परिणाम क्या-क्या हैं? विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

7. "ऐसी कोई पैनी विभाजन-रेखा नहीं है, जहाँ शहरी आवासन रुक जाता हो और ग्रामीण क्षेत्र शुरू हो जाता हो।" भारत के शहरों के अव्यवस्थित फैलाव के सन्दर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

8. (a) भारत के महानगरों में मलिन बस्तियों के उद्गमन के लिए 'अपकर्षण' और 'अभिकर्षण' कारक किस प्रकार संक्रिया करते हैं?
(b) भारत के उद्योग और कृषि क्षेत्रकों पर वैश्वीकरण के प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

GS World Committed To Excellence

IAS 2008 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

1. 'समुद्र-अधस्तल विस्तारण सिद्धांत' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
2. भू-आकृतिक चक्र की संकल्पना का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये, और डब्ल्यू.एम. डेविस और डब्ल्यू पेंक के विचारों पर चर्चा कीजिए।
3. "भू-आकृतियाँ संरचना, भ्वाकृतिक प्रक्रम एवं अवस्था का प्रतिफल होती हैं।" व्याख्या कीजिए तथा समुचित उदाहरण दीजिए।
4. आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए : पृथ्वी की संरचना
5. मानसून पवनों के यांत्रिक और उद्‌गम पर चर्चा कीजिए, और मानूसन संचरण पर एल नीनो की भूमिका स्पष्ट कीजिये।
6. वायुराशियों की उत्पत्ति, वर्गीकरण एवं प्रभाव को समझाइए।
7. विश्व के त्रि-कोषकीय याम्योत्तरीय वायु संचरण की विवेचना कीजिए।
8. प्रवाल भित्ति विरचना के लिये आदर्श दशाओं का वर्णन कीजिये और प्रवाल भित्ति विरचना के हिमनदीय नियंत्रण सिद्धांत (थियोरी) पर चर्चा कीजिए।
9. विभिन्न प्रकार की प्रवाल-भित्तियों का वर्णन कीजिए। इनकी उत्पत्ति से संबंधित डार्विन के अवतलन सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
10. समुद्री तट रेखाओं के विकास एवं वर्गीकरण की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
11. समुद्री जल की लवणता के कारकों को समझाइये। इसके ऊर्ध्वाधर वितरण पर प्रकाश डालिए।
12. 'पर्यावरणीय संकट के रूप में मरूस्थलीकरण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
13. आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए: जैविक अनुक्रम की अवस्थायें।
14. आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए: चेरनीजम मिट्टियां।
15. आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए: जीवोम।
16. आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए: पारिस्थितिक तंत्र के प्रकार तथा उसकी क्रियाशीलता
17. आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए : जल प्रदूषण का वैश्विक प्रतिरूप।
18. मानव-पर्यावरण के संबंधों के अध्ययन के बदलते हुए उपागतों की विवेचना कीजिए।
19. 'व्यावहारात्मक भूगोल' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
20. सांस्कृतिक विकास की अवस्थाओं का निर्धारण कीजिए तथा विश्व के प्रमुख सांस्कृतिक परिमण्डलों की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
21. व्याख्या कीजिए: राष्ट्र एवं राज्य की संकल्पना
22. 'वास्तविक जीवन में तथ्यों की सार्थकता मनुष्य के सोद्देश्यपूर्ण अभिप्राय से पुष्ट होती है।' इस कथन के संदर्भ में घटना-क्रियाविज्ञान एवं प्रत्यक्षवाद पर प्रकाश डालिए।
23. कृषि की अवस्थिति पर वॉन थ्यूनेन के विचारों पर चर्चा कीजिए।
24. कृषि प्रदेशों के वर्गीकरण के विकास का वर्णन कीजिए तथा हंटिंगटन के अनुसार मानवीय एवं प्राकृतिक तत्वों के आधार पर विश्व के कृषि प्रदेशों का उल्लेख कीजिए।
25. व्याख्या कीजिए: मोटर-कार उद्योग का अवस्थिति प्रतिरूप।
26. संसाधनों की संकल्पना एवं उनके वर्गीकरण का सकारण विवरण दीजिए।
27. व्याख्या कीजिए: वैश्विक व्यापार केंद्र
28. 'प्राइमेट शहर' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
29. व्याख्या कीजिए: नगरीय अधिवास की अवधारणायें।
30. व्याख्या कीजिए: अंतर्राष्ट्रीय प्रव्रजन के परिणाम
31. अंतर्राष्ट्रीय परिसीमाओं और सीमान्तकों (फ्रंटियरों) के नियमों का वर्णन कीजिए।
32. क्रिस्टालर के केन्द्र स्थल सिद्धांत का वर्तमान संदर्भ में मूल्यांकन कीजिए।
33. व्याख्या कीजिए: विश्व की समसामयिक भू-राजनीतिक समस्या।

GS World Committed To Excellence

Paper-II

34. हिमालयी और प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्रों के बीच विभेदन कीजिए।
35. 'प्रायद्वीपीय भारत की मिट्टियाँ' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
36. प्रायद्वीपीय भारत की संरचना एवं उच्चावच की विवेचना कीजिए।
37. 'भारतीय मानसून की उत्पत्ति' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
38. भारत की भौतिकीय संरचना पर एक निबन्ध लिखिए।
39. भारत में ऊर्जा संकट के न्यूनीकरण के लिये उपयुक्त ऊर्जा नीति सुझाइये।
40. कृषि-जलवायवी अनुक्षेत्रों की पहचान करने के आधारों पर चर्चा कीजिये और कृषि-विकास के लिये क्रोड रणनीतियां स्पष्ट कीजिये।
41. 'भारत में पारिस्थितिकी कृषि' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
42. भारत में श्वेत क्रांति की सफलता एवं कठिनाइयों का परीक्षण कीजिए।
43. हरित क्रांति का विस्तृत विवरण दीजिए तथा भारतीय कृषि पर उसके प्रभाव का परीक्षण कीजिए।
44. उपयुक्त उदाहरण पेश करते हुए, भारत में मोटर-वाहन उद्योग की द्रुत संवृद्धि और विकास को बढ़ावा देने वाले कारकों को स्पष्ट कीजिये।
45. 'भारत में नागरिक उड्डयन की समस्याएं एवं सम्भावनायें' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
46. भारत में रेलमार्गों के विकास में उच्चावच एवं जनसंख्या वितरण के प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।
47. भारत में साक्षरता के स्थानपरक प्रतिरूपों का वर्णन कीजिये और उनको समझाइये।
48. जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का विवेचन कीजिए। भारत से उदाहरण दीजिए।
49. 'अनियोजित शहरी विकास ने बहुसंख्यक समस्याएं पैदाकर दी हैं। टिप्पणी कीजिये।
50. 'भारत में नगरीकरण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
51. जलग्रहण और सेच्य क्षेत्रों (कैचमैंट और कमाण्ड क्षेत्रों) के विकास की समस्याओं और संभावनाओं पर चर्चा कीजिये।
52. भारत में ग्रामीण पुनर्जागरण के लिए "पुरा (PURA)" की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
53. भारत के विकास में प्रादेशिक विषमताओं की विवेचना कीजिए।
54. 'बहुउद्देशीय नदी घाटी योजना' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
55. भारत के आर्थिक विकास में प्रादेशिक असंतुलन की व्याख्या कीजिए।
56. स्वतंत्रता से भारत में राज्य पुनर्गठन के आधारों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये।
57. हिंद महासागर के भू-राजनीतिक महत्व का आकलन कीजिये।
58. भारत के संदर्भ में हिन्द महासागर के भू-राजनीतिक महत्व का परीक्षण कीजिए।
59. 'भारत में भू-सामरिक महत्व' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
60. धारणीय विकास की संकल्पना को स्पष्ट कीजिये और उसकी प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिये।
61. 'भारत में भूण्डलीय ऊष्मन का प्रभाव' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
62. भारत में सूखाग्रस्त क्षेत्रों की पहचान कीजिए और सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम का मूल्यांकन कीजिए।

Paper-II: Mapping

63. ओजार्क पठार
64. ऐनाटोलिया
65. मांटो ग्रासा
66. ब्रूक्स रेंज
67. जोलेन रेंज
68. पुसान
70. सैंटोस
71. अंबुजा
72. बॉस जलसंधि
73. केप हॉर्न करेंट
74. बरैल श्रेणी
75. पिंडारी ग्लेशियर
76. बुर्जिल दर्रा
77. बूचर द्वीप
78. गांधी सागर
79. पलिताना
80. लवासा
81. पालिताना
82. नाम डफा
83. माउण्ट हैरियर
84. बाल्टेल
85. पंपोर
86. गोपालपुर बीच
87. दाश्त-ए-कबीर

GS World Committed To Excellence

IAS 2007 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

1. समस्थिति की संकल्पना की परिभाषा कीजिये तथा ऐयरी और प्रैट के अभिगृहीतों पर चर्चा कीजिए।
2. समस्थिति की संकल्पना की व्याख्या कीजिए।
3. सिंधुपंक का क्या अभिप्राय है? उनके वर्गीकरण, वितरण एवं विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
4. 'बालू का स्तूप' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
5. स्थानीय पवनों के विकास और स्थानीय मौसम पर उसके प्रभाव पर चर्चा कीजिए और संसार में प्रसिद्ध स्थानीय पवनों के तीन उदाहरण दीजिए।
6. थार्नवेट द्वारा प्रस्तुत विश्व जलवायु वर्गीकरण की योजना प्रस्तुत कीजिए।
7. 'सूर्याभिताप' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
8. महासागरीय निक्षेपों के वर्गीकरण के लिये विभिन्न आधारों पर चर्चा कीजिए और महासागरों के अंबुधी निक्षेपों का एक विस्तुत विवरण प्रस्तुत कीजिए।
9. 'समुद्र तल के यूस्टैटिक परिवतन' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
10. 'सामाजिक वानिकी और पर्यावरणीय संरक्षण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
11. 'जैविक समुदाय' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
12. धारणीय विकास की संकल्पना को स्पष्ट कीजिये और कृषि विकास के लिये एक मॉडल को प्रस्तावित कीजिये।
13. 'भूगोल के द्वैतवाद' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
14. भारत जैसे विकासशील देशों में जनांकिकीय संक्रमणों का वर्णन करने के लिये इस्तेमाल किये जाने वाले प्राचलों पर एक टिप्पणी लिखिए।
15. केंद्रीय स्थान सोपान के प्रकार्यात्मक आधारों का एक विवरण प्रस्तुत कीजिए।
16. 'शहरी उपांत का निरूपण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
17. भारत के विशिष्ट संदर्भ में जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत की विवेचना कीजिए।
18. नगरीय पदानुक्रम से आप क्या समझते हैं? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।
19. 'अल्फ्रेड वेबर का औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
20. 'वान थ्यूनेन का कृषि अवस्थिति सिद्धांत' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
21. 'अन्त:स्थ राज्य की संकल्पना' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।

Paper-II

22. हिमालय की उत्पत्ति के संबंध में प्रस्तुत किये गये विभिन्न विचारों को स्पष्ट कीजिये और हिमालय को उर्ध्वाधर विभाजनों में विभक्त कीजिये।
23. 'कोंकण तटीय प्रदेश' पर टिप्पणी लिखिए।
24. भारत में जल संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर चर्चा कीजिए।

GS World Committed To Excellence

25. भारत की खनिज नीति की प्रमुख विशेषताओं का मूल्यांकन करते हुए देश में लौह–अयस्क के उत्पादन एवं वितरण का विवरण दीजिए।

26. "भारतीय कृषि में संस्थागत कारकों की शस्य प्रतिरूप एवं शस्य उत्पादकता पर जकड़ है।" इसको तर्क द्वारा सही साबित कीजिये।

27. भारत को वृहत् कृषि पारिस्थितिकीय प्रदेशों में विभाजित कीजिए तथा उनमें से किसी एक प्रदेश की कृषि विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

28. भारत की औद्योगिक अर्थव्यवस्था/पैटर्न पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों एवं उदारीकरण के प्रभाव पर प्रकाश डालिये।

29. 'भारत में विशेष आर्थिक क्षेत्रों का विकास' पर टिप्पणी लिखिए।

30. 'भारत में राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना' पर टिप्पणी लिखिए।

31. भारत में जल परिवहन की समस्याओं एवं संभावनाओं की विवेचना कीजिए।

32. प्रवसन के कारणों एवं परिणामों को स्पष्ट कीजिए।

33. "गंदी बस्तियाँ शहरी खतरा है।" भारत के शहरों के उदाहरण पेश करते हुये इस कथन को सुस्पष्ट कीजिये।

34. 'राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश' पर टिप्पणी लिखिए।

35. भारतीय नगरों में मलिन बस्तियों की वृद्धि के लिये उत्तरदायी कारकों का विश्लेषण कीजिए तथा उनके सुधार हेतु सुझाव दीजिए।

36. भारत में एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की नीतियों एवं कार्यक्रमों पर चर्चा कीजिये।

37. पंचायती राज ढांचे का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

38. भारत में बहुस्तरीय नियोजन की आवश्यकता का औचित्य बताइये तथा ग्रामीण विकास में पंचायतों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

39. भारत की अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं से संबंधित प्रमुख भू-राजनीतिक समस्याओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

40. कावेरी नदी विवाद पर एक समालोचनात्मक टिप्पणी लिखिये।

41. भारत के विभिन्न भागों में मृदा–अपरदन की समस्याओं की विवेचना कीजिए तथा मृदा संरक्षण के समुचित उपाय सुझाइए।

Paper-II: Mapping

42. झील विक्टोरिया
43. कासाब्लांका
44. किंबरले
45. एजेक्जेंड्रिया
46. डर्बन
47. लागोस
48. लुआंडा
49. केप टाउन
50. मपूटो
51. अस्वान
52. कालाहारी
53. नाइजर डेल्टा
54. विशाखापट्टनम
55. पन्ना
56. गुड़गाँव
57. नागार्जुन सागर
58. नाभिकीय ईंधन संकुल
59. कोवलम
60. धर्मशाला
61. आइजवाल
62. बोधगया
63. पेरियार वन्य–प्राणी अभ्यारण्य
64. कोंकण रेलवे
65. इक्रीसैट

GS World Committed To Excellence

IAS 2006 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

1. ए. वेनेगर की महाद्वीपीय विस्थापन परिकल्पना का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
2. प्लेट विवर्तनिकी से आप क्या समझते हैं? यह कहाँ तक पर्वत-निर्माण एवं महाद्वीपीय विस्थापन की समस्याओं का समाधान करने में सक्षम रहा है?
3. आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए: शुष्क प्रदेशों में स्थलाकृतियों की विशेषताएं।
4. उष्णकटिबंधीय चक्रवात की संरचना एवं संबंधित मौसम दशाओं की शीतोष्ण चक्रवात की संरचना एवं मौसम दशाओं के साथ तुलना कीजिए।
5. कोपेन द्वारा प्रतिपादित विश्व की जलवायु के वर्गीकरण की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
6. 'उत्तरी अटलांटिक महासागर की महासागर धाराएं' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
7. महासागरों तथा सागरों के नितल पर विभिन्न प्रकार निक्षेपों का विवरण दीजिए।
8. 'मृदाओं का वितरण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
9. आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए: जैविक समुदायों का वर्गीकरण।
10. वैश्विक पारिस्थितिक असंतुलनों और उनके प्रबंधन पर चर्चा कीजिए।
11. 'धारणीय विकास' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
12. आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए: पारिस्थितिक तंत्र पर मानव का प्रभाव।
13. 'संसार के सांस्कृतिक प्रदेश' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
14. भूगोल में मात्रात्मक क्रांति का आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए।
15. विशेष रूप से व्हीटल्सी का हवाला देते हुये प्रमुख कृषि प्रकारों और उनसे संबंधित अभिलक्षणों के संबंध में लिखिये। दिये गये संसार के मानचित्र में इन प्रदेशों को दर्शाइये।
16. 'विश्व ऊर्जा संकट' की व्याख्या कीजिए।
17. नगरीय भूगोल में प्रमुख शहर और श्रेणी आकार प्रणाली की संकल्पनाएं क्या हैं? विस्तार से चर्चा कीजिए।
18. जनसंख्या संक्रमण की व्याख्या तथा इसकी विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन कीजिए तथा भारत में इसकी प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।
19. प्रदेश की संकल्पना क्या है? प्रदेशों के प्रकारों पर चर्चा कीजिए।
20. ग्रामीण-नगर उपान्त से आप क्या समझते हैं? इसकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं? इसका सीमांकन कैसे होता है? व्याख्या कीजिए।
21. 'सीमांत एवं सीमा में अंतर' की व्याख्या कीजिए।
22. 'उलमन एवं हेरिस का सिद्धांत' की व्याख्या कीजिए।

Paper-II

23. जेट प्रवाह सिद्धांत के विशेष संदर्भ में भारतीय मानसून की उत्पत्ति के आधुनिक सिद्धांतों का एक आलोचनात्मक विवरण दीजिए।
24. भारतीय मानसून पर वैश्विक तापन के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।

25. 'जल विभाजक प्रबंधन' पर टिप्पणी लिखिए।
26. 'राष्ट्रीय वननीति' पर टिप्पणी लिखिए।
27. भारत में नाभिकीय अणु शक्ति के विकास की संभावनाओं का विश्लेषण कीजिए।
28. 'भारत में कृषि नियोजना' पर टिप्पणी लिखिए।
29. भारत में उद्योगों के विकास का अनुरेखण कीजिये तथा इस संदर्भ में बहुराष्ट्रिकों एवं उदारीकरण नीतियों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये।
30. भारत के चीनी उद्योग के स्थानीकरण एवं विकास की व्याख्या कीजिए।
31. 'स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग योजना' पर टिप्पणी लिखिए।
32. भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की अभिनव प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।
33. भारत में लिंग-अनुपात भिन्नताओं के कारणों एवं परिणामों की विवेचना कीजिए।
34. प्रचलित आकारिकीय प्रतिमानों की पृष्ठभूमि में भारतीय नगरों की आकारिकी की व्याख्या कीजिये।
35. भारत में नगर नियोजन के तत्वों एवं उपागमों की विवेचना कीजिये।
36. भारत की नगरी नीति में लघ्वाकार नगरों के महत्व का परीक्षण कीजिए।
37. भारत में जनजातियों, जनजातीय क्षेत्रों एवं उनकी समस्याओं का एक विवरण प्रस्तुत कीजिये।
38. उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में क्षेत्रीय विषमताओं का विश्लेषण कीजिए।
39. भरतीय संघवाद के भौगोलिक आधार पर परीक्षण कीजिये।
40. भारत में लघु राज्यों के गठन की नीति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
41. भारत में जनसंख्या विस्फोट एवं भोजन सुरक्षा पर एक निबंध लिखिये।
42. भारत की प्रादेशिक विषमताओं के प्रक्रमों एवं प्रतिरूपों की व्याख्या कीजिये तथा प्रादेशिक संतुलन स्थापित करने के लिये उपयुक्त उपायों को सुझाइये।

Paper-II: Mapping

43. पिडरुटला गल्ले
44. माउण्ड ऐडम
45. ग्रेटर किधान
46. उलान बटोर
47. कुल्टी
48. यांगौन
49. ब्रुनेई
50. ईस्ट तिमोर
51. शंघाई
52. डोडोमा
53. श्वाने
54. कुआला टेरेंगानु
55. मलयगिरि
56. सबरीगिरी
57. जवादी पहाड़ियाँ
58. नाथूला दर्रा
59. न्यू मूर द्वीप
60. कोल्लेरू झील
61. सिंध नदी
62. खेतड़ी की तांबा की खानें
63. कालाकोट
64. रेणुकूट
65. सिबसागर
66. सुरेन्द्रनगर

GS World Committed To Excellence

IAS 2005 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

1. 'पृथ्वी की आन्तरिक दशा के अध्ययन में भूकम्पीय तरंगों की भूमिका' पर 200 शब्दों में टिप्पणी लिखिए।
2. पृथ्वी के धरातल पर समस्थितिक दशा से क्या अभिप्राय है? इस संदर्भ में एयरी ओर प्रेट के मतों की व्याख्या कीजिए।
3. 'कार्स्ट भू-आकृतियों का विकास' पर आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
4. कोपेन द्वारा विकसित जलवायु वर्गीकरण प्रणाली के प्रमुख घटकों की विवेचना कीजिये। इसकी विसंगतियों को भी इंगित कीजिए।
5. ताप बजट की संकल्पना की व्याख्या कीजिए तथा पृथ्वी तल पर ताप-वितरण की विवेचना कीजिए।
6. 'पश्चिमी विक्षोभ' पर आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
7. समुद्री जल के खारेपन की विभिन्नता को स्पष्ट कीजिए तथा तत्संबंधी अनेक कारकों की व्याख्या कीजिए।
8. 'मृदा क्षरण एवं संरक्षण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
9. विश्वस्तरीय पर्यावरण प्रदूषण की प्रमुख समस्याओं का निरूपण कीजिये तथा उन पर नियंत्रण के उपाय भी सुझाइये।
10. 'भूमण्डलीय पारिस्थितिकीय समस्याएं' पर आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
11. 'क्षेत्रीय विभिन्नता' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
12. भौगोलिक विचारधारा के विकास में उग्र-सुधारवाद के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
13. व्याख्या कीजिए: हृदयस्थल और रिमलैण्ड अवधारणा।
14. संसाधनों के आर्थिक विकास में संरक्षण एवं प्रबंधन के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
15. 'प्राथमिक नगर की संकल्पना' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
16. व्याख्या कीजिए: जनसंख्या का अन्तर्राष्ट्रीय प्रवर्जन।
17. प्रदेश किसे कहते हैं? प्रादेशीकरण विधियों की विवेचना कीजिए।
18. औद्योगिक स्थानीयकरण के वेबर के सिद्धांत की विवेचना कीजिये तथा वर्तमान के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता का आकलन कीजिये।
19. हृदय-स्थल सिद्धांत का परीक्षण कीजिए तथा इसके गुण-दोष का आकलन कीजिये।
20. क्रिस्टलर और लॉश के मतों की व्याख्या केन्द्रीय स्थान अवधारणा के संदर्भ में कीजिए।
21. व्याख्या कीजिए: वान थ्यूनेन की भूमि उपयोग अवधारणा।

Paper-II

22. भारत के बाढ़-प्रवण क्षेत्रों के वितरण और देश में बाढ़ों के प्रभाव का नियंत्रण करने के कार्यक्रमों एवं नीति का एक विवरण प्रस्तुत कीजिये।
23. जलवायवी प्रादेशीकरण के आधारों की विवेचना कीजिए और भारत को प्रमुख जलवायु प्रदेशों में विभाजित कीजिए।
24. "गैर-पारंपरिक ऊर्जा ही भारत में भविष्य की ऊर्जा है।" इस कथन के पक्ष में तर्क दीजिए।
25. 'भारत में निर्वनीकरण' पर टिप्पणी लिखिए।
26. 'भारत में ऊर्जा संकट और प्रभावी विकल्प' पर टिप्पणी लिखिए।

27. भारत में शुष्क कटिबंधीय कृषि की समस्याओं एवं संभावनाओं की विवेचना कीजिये तथा इसके विकास की रणनीतियों एवं योजनाओं पर प्रकाश डालिये।

28. भारत में श्वेत क्रांति की सफलता एवं बाध्यताओं का एक विवरण प्रस्तुत कीजिये।

29. भारतीय कृषि के आधुनिकीकरण हेतु द्वितीय हरित क्रांति की आवश्यकता और स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

30. भारत के वृहद् औद्योगिक संश्लिष्टों (संकुलों) की भू-आर्थिक विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

31. 'स्वर्णिम चतुर्भुज' से क्या तात्पर्य है? उसके निष्पादन में की गई प्रगति और भारत की अर्थव्यवस्था पर उसके प्रभावों पर चर्चा कीजिए।

32. आधुनिक भारत के समग्र विकास में भारतीय रेल की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

33. भारत में जनजातीय क्षेत्रों में पहचान कीजिये और उनकी महत्वपूर्ण समस्याओं पर प्रकाश डालिये।

34. भारत में जनजातीय क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को निर्दिष्ट कीजिए और उनके विकास के लिए कुछ नियोजन उपाय सुझाइये।

35. भारत में ग्रामीण बस्तियों के प्रमुख प्रकारों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

36. 'भारतीय नगरों का कार्यात्मक वर्गीकरण' पर टिप्पणी लिखिए।

37. भारत में विकेंद्रित आयोजना के एक उपाय के रूप में पंचायती राज पर चर्चा कीजिये।

38. भूगोल और प्रादेशिक आयोजना के बीच के संबंध का परीक्षण कीजिये।

39. 'सूखाग्रस्त क्षेत्र और जलसंभर प्रबंधन' पर टिप्पणी लिखिए।

40. भारत के आर्थिक विकास में प्रादेशिक असमानता के स्थानिक प्रतिरूप एवं कारणों की विवेचना कीजिए।

41. हिन्द महसागर परिमण्डल में उभरती आर्थिक-राजनीतिक शक्ति के रूप में भारत की संभावनाओं का आकलन कीजिए।

42. धारणीय संवृद्धि एवं विकास की संकल्पना को सुस्पष्ट कीजिये।

GS World
Committed To Excellence

Paper-II: Mapping

43. ब्रोकेन हिल
44. ग्रेट बेरियर रीफ
45. बलाटोन झील
46. लीड्स
47. ताइपे
48. बर्न
49. मैड्रिड
50. ग्राज
51. मोसुल
52. मलक्का
53. पोर्ट लुइस
54. नोवा स्काशिया
55. कैमूर पर्वतमाला
56. कार्डमम पहाड़ियाँ
57. नाग पहाड़
58. इंदिरा बिन्दु
59. जवाहर लाल नेहरु पत्तन
60. काकिनाडा
61. पुलिकट झील
62. चन्द्र भागा नदी
63. गर्सोपा प्रपात
64. रजरप्पा प्रपात
65. बॉम्बे हाई
66. गंगा सागर
67. डलहौजी

IAS 2004 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

1. अंतर्जात बलों के फलस्वरूप बनी भू-आकृतियों का वर्णन कीजिए।
2. 'समप्राय भूमि' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
3. 'अपरदन के सामान्य चक्र' से आप क्या समझते हैं? इसकी विभिन्न अवस्थाओं से संबंधित भू-आकारों का वर्णन कीजिए।
4. अपरदन-चक्र के संकल्पना की विवेचना कीजिए, तथा सामान्य, अपरदन-चक्र से संबंधित स्थलाकृतियों का उल्लेख कीजिए।
5. 'भूकंपलेखीय साक्ष्य एवं पृथ्वी की आंतरिक संरचना' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
6. भू-मण्डलीय तापन के प्रभाव पृथ्वी के एक भाग से दूसरे भाग के बीच किस प्रकार से भिन्न होंगे? एक तर्कयुक्त विवरण प्रस्तुत कीजिये।
7. 'संभाव्य वाष्पन-वाष्पोत्सर्जन' पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।
8. वायु-भार पेटियों की उत्पत्ति के कारणों सहित वितरण एवं उनके मध्य बहने वाली स्थायी पवनों का वर्णन कीजिए।
9. अपक्षय पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
10. 'तापमान विलोमता' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
11. शीतोष्ण कटिबन्धीय चक्रवातों की उत्पत्ति, विशेषताओं एवं वितरण की व्याख्या कीजिए।
12. मध्य-अटलांटिक कटक पर, उसकी उत्पत्ति, विस्तार और उच्चावच की दृष्टि से, चर्चा कीजिए।
13. 'महासागरीय जमाव' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
14. प्रवाल भित्ति की परिभाषा एवं वर्गीकरण कीजिए और इसकी उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न सिद्धांतों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
15. 'उत्तरी हिन्द महासागर की धारायें' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
16. अंध महासागर के तलीय उच्चावचन का विवरण प्रस्तुत कीजिए।
17. 'जीवीय अनुक्रम' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
18. 'भूमण्डलीय पारिस्थितिक मुद्दे' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
19. भौगोलिक अध्ययनों में आमूल परिवर्तनवादी और कल्याणवादी उपागमों के बीच विभेदन कीजिए।
20. भूगोल के अभिनव चिन्तनफलकों की विवेचना कीजिए।
21. 'संवृद्धि ध्रुव' पर संक्षिपत टिप्पणी लिखिए।
22. विश्व में जल-शक्ति की संभाव्यता एवं उत्पादन की व्याख्या कीजिए।
23. 'दक्षिण-पूर्वी एशिया की बागवाली कृषि' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
24. 'नगरों का पदानुक्रम' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
25. 'सीमा-रेखायें एवं उनका वर्गीकरण' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
26. विश्व-नगरीयकरण के प्रतिरूपों प्रक्रमों एवं परिणामों का परीक्षण कीजिए।
27. 'जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
28. प्रादेशिक असंतुलनों को ठीक करने के लिये विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा कीजिए।
29. 'सम्पोषणीय विकास की संकल्पा' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
30. संसार की आज की राजनीतिक स्थिति को समझने में केन्द्र स्थल और परिधि स्थल थ्योरियाँ किस सीमा तक सहायक हैं? अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त कीजिए।
31. भौगोलिक अध्ययन में मॉडल और मात्रात्मक तकनीकों की भूमिका का आकलन कीजिए।
32. मानव के विकास क्रम के प्रमुख चरणों को स्पष्ट कीजिए तथा प्रत्येक चरण में संस्कृति की मूल विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
33. वेबर के औद्योगिक अवस्थापना सिद्धांत की विवेचना कीजिए तथा वर्तमान संदर्भ में इसी सार्थकता का मूल्यांकन कीजिए।

Paper-II

34. भारत के जलवायु प्रदेशों के परिसीमन में वर्षा एवं ताप के स्थानिक प्रतिरूप की भूमिका पर, विशेषकर स्टैम्प के जलवायवी प्रादेशीकरण का हवाला देते हुये, चर्चा कीजिए।
35. टिप्पणी लिखिए: भारतीय मानसून की अनियमिततायें, कारण एवं प्रभाव।
36. इतर प्रायद्वीपीय भारत में संरचना, उच्चावच एवं अपवाह के मध्य अन्तर्सम्बन्ध दर्शाइए।
37. 'मृदा संरक्षण की विधियाँ' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
38. भारत के महत्वपूर्ण जीवीय संसाधन प्रदेशों की पहचान कीजिए। भारत में जीवीय संसाधन संरक्षण की समस्याओं, उपचारों एवं उपायों पर संक्षेप में प्रकाश डालिये।
39. "भारत में ऊर्जा संकट के समाधान की कुंजी नाभिकीय एवं जल ऊर्जा के दोहन में है।" व्याख्या कीजिए।
40. 'भारत में जल-संभरण प्रबन्ध' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
41. भारत में वन-अपरोपण के कारणों तथा परिणामों की विवेचना कीजिए एवं वन-आरोपण को रोकने हेतु उपाय सुझाइए।
42. भारत में ऊर्जा संसाधनों के उत्पादन एवं उपयोग की प्रमुख विशिष्टताओं का विश्लेषण कीजिए।
43. टिप्पणी लिखिए: भारत के कृषि-प्रदेश।
44. कृषि पारिस्थितिकी दशाओं के सन्दर्भ में भारत के फसल संयोजन प्रदेशों का विश्लेषण कीजिये।
45. भारत में पेट्रो-रासायनिक उद्योगों के स्थलीकरण की विवेचना कीजिए।
46. भारत को औद्योगिक क्षेत्रों में विभाजित कीजिए और किसी एक में औद्योगिक विकास के प्रतिरूप का वर्णन कीजिए।
47. भारत में औपनिवेशिक-पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर अवधियों के दौरान नदी जल परिवहन के विकास का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिये। प्रादेशिक विकास में नदी परिवहन की भूमिका को उजागर कीजिए।
48. 'भारत का राष्ट्रीय जल-मार्ग क्रमांक 1' पर टिप्पणी लिखिए।
49. भारत में उभरते सड़क मार्गजाल की आर्थिक विकास में भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।
50. 'भारत में जल परिवहन की संभावनाएं' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी कीजिए।
51. "किसी भी क्षेत्र के आर्थिक अभिलक्षण उसके जनसंख्या प्रतिरूप पर भौतिक अभिलक्षणों के मुकाबले कहीं ज्यादा सीधा प्रभाव डालते हैं।" उदाहरण देते हुये इस बात को स्पष्ट कीजिये।
52. भारत की जनसंख्या नीति का मूलयांकन कीजिये और राष्ट्र के जनसंख्या नियंत्रण पर उसकी प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिये।
53. भारत की जनसंख्या की वृद्धि एवं वितरण की विवेचना कीजिए।
54. भारत मे कालिक एवं स्थानिक जनसंख्या वृद्धि का विवरण प्रस्तुत कीजिए।
55. गंदी बस्तियाँ किस प्रकार बन जाया करती हैं? उनके सुधार के लिये ठोस सुझाव दीजिये।
56. 'भारत में नगरीय नीति' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
57. भारत में प्रादेशिक आयोजना के अनुभव पर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के संदर्भ में चर्चा कीजिये।
58. विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में भारत की प्रादेशिक विकास नीति का परीक्षण कीजिये।
59. टिप्पणी लिखिए: भारत के नियोजन प्रदेश।
60. पंचवर्षीय योजनाओं में शुरू की गयी भारत की विकास की नीतियों का परीक्षण कीजिए।
61. चीन-भारत सीमा विवाद के उद्भव, विस्तार और विवक्षाओं का परीक्षण कीजिये।
62. भारत-चीन सीमा के स्वरूप तथा उससे संबंधित विवाद की विवेचना कीजिए।
63. भारत में केंद्र-राज्य संबंधों के भौगोलिक आधारों पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
64. मध्य एवं निम्नतर गंगा मैदान में बाढ़-खतरों के कारणों, परिणामों और उपचारी उपायों को स्पष्ट कीजिये।
65. धारणीय संवृद्धि एवं विकास की संकल्पना का मूल्यांकन कीजिये।
66. भारत में बंजर भूमि की समस्या की व्याख्या कीजिए तथा उनके सुधार हेतु समुचित रणनीतियों को सुझाइए।

Paper-II: Mapping

67. पिरेनीज
68. एंडीज
69. ग्रेटलेक्स
70. बामियान
71. डार्विन
72. केपहार्न
73. फिजी
74. आइबेरियन प्रायद्वीप
75. नुनावट
76. सिनाई
77. धौलाधर पर्वत श्रेणी
78. कच्छ की खाड़ी
79. भुज
80. इन्द्रावदी नदी
81. कुद्रेमुख
82. गुलमर्ग
83. माउण्ट आबू

IAS 2003 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

1. तटीय क्षेत्रों से संबंधित स्थलाकृतियों के क्रमिक विकास की व्याख्या कीजिए।
2. समस्थिति से क्या तात्पर्य है? प्राट और एयरी के विचारों की समीक्षा कीजिए।
3. अपरदन-चक्र में व्यवधानों की प्रकृति का वर्गीकरण कीजिए। उनकी भू-आकृति अभिव्यक्तियों का भी वर्णन कीजिए।
4. वायुमण्डल के त्रिकोशिकीय देशान्तरीय परिसंचरण की क्रियाविधि तथा महत्व की विवेचना कीजिए।
5. वायुमण्डल के ऊष्मा संतुलन की विवेचना कीजिए।
6. 'भूमण्डलीय ताप-वृद्धि' पर व्यायख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
7. हिन्द महासागर के तलीय उच्चावच का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए।
8. प्रवाल-भित्तियों की उत्पत्ति संबंधी हिम-नियन्त्रण सिद्धांत पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
9. 'मृदाओं की उत्पत्ति' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
10. 'बायोम' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
11. 'पर्यावरणीय प्रदूषण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
12. व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए: सम्पोषणीय विकास का संकल्प।
13. मानव भूगोल में मानवीय एवं कल्याणपरक उपागमों का समालोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिये।
14. भूगोल के विकास में मात्राकरण के अभ्युदय की व्याख्या कीजिए और उसके प्रति हुई मुख्य प्रतिक्रियाओं का उल्लेख कीजिए।
15. व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए: हृदय-स्थल सिद्धांत।
16. 'संवृद्धि की सीमाओं की संकल्पना' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
17. औद्योगिक स्थानीकरण के किसी एक सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
18. व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए : संसाधन होते नहीं बनते हैं।
19. नगरीय प्रभाव के क्षेत्र की संकल्पना का परीक्षण कीजिए तथा उसके सीमांकन में इस्तेमाल की जाने वाली गुणात्मक एवं मात्रात्मक विधियों की विवेचना कीजिए।
20. 'प्रादेशिक असंतुलन' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
21. नगरीय पदानुक्रम से आप क्या समझते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
22. ओस्तोव द्वारा प्रतिपादित आर्थिक विकास अवस्था मॉडल का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। अपने उत्तर की पुष्टि उपर्युक्त उदाहरणों से कीजिए।

Paper-II

23. हिमालयी और प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्रों के बीच के प्रमुख अंतरों पर प्रकाश डालिये।
24. 'भारतीय मानसून की उत्पत्ति एवं प्रक्रिया' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
25. 'भारत में ऊर्जा संकट' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
26. भारत में शुष्क क्षेत्रों के विकास के कार्यक्रमों एवं नीति पर चर्चा कीजिये।

27. नीली क्रांति की सफलता एवं संभावनाओं का एक विवरण प्रस्तुत कीजिये और साथ ही भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर उसके प्रभावों पर टिप्पणी कीजिये।
28. 'भारत में कृषि पर हरित क्रांति का प्रभाव' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
29. भारत में लौह-अयस्क के उत्पादन एवं वितरण का विवरण दीजिये।
30. भारत के प्रमुख औद्योगिकी संश्लिष्टों का उल्लेख कीजिए और किसी एक औद्योगिक संश्लिष्ट की समस्याओं एवं संभावनाओं का विवरण दीजिए।
31. भारत के विदेश व्यापार में पत्तनों के बढ़ते हुये महत्व पर चर्चा कीजिये।
32. 'भारत में सड़क परिवहन जाल का विकास' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
33. भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के परिवर्तनशील प्रतिरूप एवं व्यापार-नीति की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
34. भारत में शहरी क्षेत्रों की जनगणना की परिभाष पर चर्चा कीजिए।
35. भारत में नगरीकरण की वृद्धि तथा प्रादेशिक प्रतिरूप का विश्लेषण कीजिए।
36. भारत के सूखा प्रवण क्षेत्रों की पहचान कीजिये और उनके विकास के उपायों पर चर्चा कीजिये।
37. भारत में बहुउद्देशीय परियोजनाओं के संबंध में कमाण्ड एरिया विकास की संकल्पना को स्पष्ट कीजिये।
38. दामोदर घाटी के संदर्भ में, भारत में प्रादेशिक आयोजना के अनुभव का एक विवरण प्रस्तुत कीजिये।
39. भारत के महानगरीय क्षेत्रों के नियोजन की समस्याओं एवं रणनीतियों की विवेचना कीजिये।
40. हिंद महासागर की भू-राजनीति में भारत की भूमिका का आकलन कीजिये।
41. हिन्द महासागर की भू-राजनीति में भारत की भूमिका की विवेचना कीजिए।
42. भारत के आर्थिक विकास में प्रादेशिक असमताओं के कारणों को स्पष्ट कीजिये।
43. भारत में मृदा-अपरदन की समस्याओं की विवेचना कीजिए तथा मृदा संरक्षण के समुचित उपाय सुझाइए।

Paper-II: Mapping

44. कैट्सकिल
45. शिवेली नदी
46. इज्मीर
47. यूरेनियम सिटी
48. असुनसियोन
49. जुगरेब
50. प्लेंटी की खाड़ी
51. डेरियन की खाड़ी
52. सुगारू जलडमरूमध्य
53. स्टीवर्ट द्वीप
54. नार्थकेप
55. केप यार्क प्रायद्वीप
56. शिलांग पठार
57. गिरनार पहाड़ियां
58. रोहतांग दर्रा
59. न्यू मंगालोर
60. लोकटक झील
61. कालीसिंध नदी
62. कोलार खानें
63. अल्वाये
64. सेलम
65. गोविन्दवल्लभ पंत सागर
66. रानीखेत

GS World Committed To Excellence

IAS PCS GS World Committed To Excellence

IAS 2002 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

1. 'भू-अभिनति' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
2. डेविड द्वारा प्रतिपादित 'भौगोलिक चक्र' मॉडल की समालोचना कीजिये।
3. 'वियुक्त अवस्था' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
4. प्लेट-विवर्तन की संकल्पना की विवेचना कीजिए तथा दर्शाइए कि यह कहाँ तक पर्वत-निर्माण एवं महाद्वीपीय विस्थापन की व्याख्या करता है।
5. 'बहुचक्रीय स्थलाकृतियाँ' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
6. वायुराशियों की संकल्पना की विवेचना कीजिये तथा उनका वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिये।
7. उन कसौटियों पर चर्चा कीजिए जिनको थॉर्नथ्वेट ने संसार की जलवायुओं के अपने 1948 के वर्गीकरण में अपनाया था।
8. वायु-राशियों की उत्पत्ति एवं विशेषताओं की विवेचना कीजिए तथा विश्व की जलवायु को प्रभावित करने में इनकी भूमिका स्पष्ट कीजिए।
9. 'महासागरीय निक्षेपों का वर्गीकरण' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
10. 'अपक्षय और मृदा निर्माण' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
11. एक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में जीवमण्डल की संकल्पना पर विस्तार से लिखिये।
12. भूगोल के परिप्रेक्ष्य में, 'धारणीय विकास' पर एक निबंध लिखिये।
13. पारिस्थितिक तंत्र की परिभाषा दीजिए तथा एक पारिस्थितिक इकाई के रूप में इसकी क्रियाशीलता का वर्णन कीजिए।
14. 'नव-पर्यावरणवाद' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
15. संसार में आर्थक विकास और मानवीय विकास के प्रादेशिक प्रारूप किस सीमा तक एक-दूसरे के साथ संगत हैं? विशेषकर, अंतर की स्थितियों को आलोकित कीजिये।
16. भूगोल के विकास में फ्रांसीसी भूगोलवेत्ताओं के योगदान की विवेचना कीजिए।
17. विश्व को कृषि प्रदेशों में विभाजित कीजिए तथा अपने विभाजन के आधारों का विवेचन कीजिए।
18. 'विश्व ऊर्जा संकट' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
19. परिनगर (अमलैण्ड) की परिभाषा दीजिए तथा विशिष्ट उदाहरणों सहित इसके निर्धारण हेतु मापदण्डों की विवेचना कीजिए।
20. 'उभय प्रतिरोधी (बफर) राज्यों की समस्याएं' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
21. संसार में आर्थिक विकास और मानवीय विकास के प्रादेशिक प्रारूप किस सीमा तक एक-दूसरे के साथ संगत हैं? विशेषकर, अंतर की स्थितियों को आलोकित कीजिये।
22. क्रिस्टैलर और लौश की केन्द्रीय स्थान थ्योरियों के बीच अंतर के मुख्य बिन्दुओं का विवेचन कीजिए।
23. 'रिमलैंड थ्योरी' पर संक्षिपत टिप्पणी लिखिए।
24. 'मानव प्रजातियों का वर्गीकरण' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।

GS World Committed To Excellence

Paper-II

25. भारत में ग्रीष्मकालीन मानसून की उत्पत्ति, क्रियाविधि एवं विशेषताओं की व्याख्या कीजिये।
26. प्रायद्वीपीय भारत के अपवाह-तंत्र के उद्‌भव, विकास एवं प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
27. भारत में तेल एवं प्राकृतिक गैस की पाइपलाइन जालक्रमों की विवचेना कीजिए। प्रादेशिक विकास में उनकी पूरक भूमिका पर प्रकाश डालिये।
28. शक्ति-संसाधन के रूप में भारत में पेट्रोलियम के संचय, उत्पादन-प्रवृत्ति एवं संभावनाओं का विश्लेषण कीजिए।
29. भारत में हरित क्रांति के द्वयात्मक प्रभावों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।
30. भारतीय कृषि-अर्थव्यवस्था पर 'हरित क्रांति' के समग्र प्रभावों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। विशिष्ट उदाहरण भी दीजिए।
31. भारत के औद्योगिक परिदृश्य पर उदारीकरण की नीति की भूमिका का विश्लेषण कीजिये।
32. उत्तर-उदारीकरण काल में भारत में औद्योगिक विकास की दिशा, दशा एवं प्रमुख पहलुओं का अनुरेखण कीजिए।
33. आयात-निर्यात एवं अपने पृष्ठ प्रदेशों के विकास में योगदान के विशेष सन्दर्भ में कांडला एवं विशाखापट्टनम बन्दरगाहों का एक तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।
34. जनजातीय क्षेत्रों के विकास में जनजाति विकास खण्डों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
35. भारत में वर्तमान जनसंख्या घनत्व के वितरण प्रतिरूप के कारणों का खुलासा कीजिये।
36. मध्य भारत के जनजातीय क्षेत्रों में से किसी एक के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एक विस्तृत योजनाबद्ध कार्यक्रम प्रस्तुत कीजिए।
37. कावेरी जल अधिनिर्णय की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिये।
38. 'भारत में प्रादेशिक विकास की समस्याएं' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
39. 'भारत एवं सार्क' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
40. भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के स्वरूप और उनसे संबंधित भू-राजनीतिक समस्याओं की युक्ति संगत विवेचना कीजिए।
41. भूकंप विनाश के कारणों, प्रभावों एवं उनसे बचाव के उपायों की व्याख्या कीजिये।
42. भारत के आर्थिक विकास में क्षेत्रीय असमताओं का तर्कयुक्त कारण बताइये तथा इस समस्या के समाधान में विकेन्द्रित आयोजना के योगदान को उजागर कीजिये।
43. 'जनसंख्या विस्फोट एवं भारत' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
44. 'बंजरभूमि एवं उनके सुधार' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।

GS World Committed To Excellence

Paper-II: Mapping

44. ऐप्लेशियन
45. बोहेमिया
46. ग्रेट आर्टिसियन बेसिन
47. चेचेन्या
48. लेसोथो
49. ऐडम्सब्रीज
50. तस्मानिया
51. युकाटन प्रायद्वीप
52. लेब्राडोर धारा
53. गोल्डन ट्राइएंगल
54. ब्लू माउंटेन
55. मन्नार की खाड़ी
56. वुलर झील
57. डल्लीराजहरा खानें
58. भिलाई
59. राणा प्रताप सागर
60. कोडईकनाल

IAS 2001 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

1. भू-संतुलन सिद्धांत का एक आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
2. पृथ्वी की आंतरिक संरचना का विश्लेषण कीजिए।
3. 'ज्वालामुखीय संरचनात्मक आकृतियाँ' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
4. पर्वत निर्माण सम्बन्धी विचारधाराओं का विश्लेषण कीजिए।
5. ऊष्मा बजट पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
6. उष्णकटिबन्धीय चक्रवातों के उद्भव विकास एवं प्रभावों की व्याख्या कीजिए।
7. 'मूंगे की चट्टानें' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
8. प्रवाल-भित्तियों के उद्भव संबंधी विभिन्न परिकल्पनाओं की व्याख्या कीजिए।
9. 'कृषि-वानिकी' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
10. पारिस्थितिकी तंत्र की संकल्पना, घटकों तथा कार्य-प्रणाली की विवेचना कीजिये।
11. पारिस्थितिकी तंत्रों के प्रकार' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
12. भूमण्डलीय पारिस्थितिकी-तंत्रों पर आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रभावों की विवेचना कीजिए।
13. 'मानव-भूगोल में क्रांतिकारी उपागम' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
14. 'जर्मन भूगोलवेत्ताओं का योगदान' टिप्पणी लिखिए।
15. 'प्रधान सांस्कृतिक परिमण्डल' टिप्पणी लिखिए।
16. मानव और वातावरण संबंधों में व्यवहारवादी प्रतिमान से उत्पन्न परिवर्तनों को उपयुक्त उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।
17. 'अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिस्पर्धा' टिप्पणी लिखिए।
18. विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
19. 'अनुकूलतम जनसंख्या की संकल्पना' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
20. वर्तमान अधिवास प्रारूपों के सन्दर्भ में केन्द्रीय स्थान सिद्धांत की उपयुक्तता का परीक्षण कीजिए।
21. विश्व में व्याप्त विकास-विषमता के क्षेत्रीय प्रतिरूपों का परीक्षण कीजिए।
22. प्रादेशिक विकास प्रक्रिया में विकास केंद्रों तथा विकास ध्रुवों की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
23. मानव भूगोल में तंत्र विश्लेषण की संकल्पना तथा अनुप्रयोग की विवेचना कीजिए।
24. वर्तमान भू-राजनीतिक विकास के संदर्भ में 'रिमलैंड' की संकल्पना का परीक्षण कीजिये।

Paper-II

25. भारतीय उत्तरी मैदानों के उच्चावच लक्षणों का विवेचन कीजिए।
26. भारत के प्रायद्वीपीय पठार के द्वितीय कोटि के क्षेत्रों का संक्षिप्त विवरण दीजिये।
27. हिमालय के वनस्पति क्षेत्रों के अनुक्रम को स्पष्ट कीजिये।
28. भारत को भू-आकृतिक प्रदेशों में विभक्त कीजिए तथा किसी एक प्रदेश की विशेषताओं की विस्तृत विवेचना कीजिए।
29. विवेचना कीजिए: प्रायद्वीपीय भारत के प्रमुख अपवाह तंत्र।

30. विवेचना कीजिए: एल-निनो तथा भारतीय मानसून।
31. भारत में कोयले के वितरण, उत्पादन तथा उपयोग का विवेचन करिए।
32. भारत के कृषि-जलवायु आयोजन क्षेत्रों में भौगोलिक आधार का परीक्षण कीजिये।
33. अभिनव दशकों में भारतीय कृषि के आधुनिकीकरण के प्रभावों का आकलन कीजिये तथा आज के खुले बाजार में विशेषकर विकसित देशों के दबाव की दृष्टि में भारतीय कृषि को सधृत (टिकाऊ) बनाने हेतु सुझाव दीजिए।
34. 'भारत में कृषि की उत्पादकता' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
35. भारत में औद्योगिक क्षेत्रों की वृद्धि, लक्षण और वितरण प्रतिरूप का वर्णन कीजिए।
36. भारत के अन्तरप्रादेशिक व्यापार में रेल-सड़क यातायात के प्रभाव का आकलन करिए।
37. 'भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की अभिनव प्रवृत्तियाँ' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
38. भारत की जनसंख्या की लिंग एवं आयु संरचना का विवरण दीजिए।
39. भारत की जनसंख्या की संरचनात्मक विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
40. विवेचना कीजिए: भारत में नगरीकरण की प्रवृतियाँ।
41. जल-विभाजक की अवधारणा की भूमि-प्रबंध में इसकी उपयोगिता को स्पष्ट कीजिये।
42. भारत में प्रादेशिक विकास में क्षेत्रीय असमानता के प्रभाव का सकारण वृतान्त प्रस्तुत करिए।
43. 'भारत में जलागम प्रबन्धन' पर व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।
44. भारत की थल-सीमाओं के भूरानजीतिक महत्व का विवेचन कीजिये।
45. भारत का पड़ोसी राष्ट्रों के साथ सीमा विवाद का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
46. भारत के भूकंपों के क्षेत्रीय वितरण के भौगोलिक लक्षणों को स्पष्ट कीजिये।

Paper-II: Mapping

47. एटलस
48. एलिस स्प्रिंग्स
49. लेक डिस्ट्रिक्ट
50. मेकांग नदी
51. बान्डुंग
52. बोथनिया की खाड़ी
53. ओमान की खाड़ी
54. तिमोर द्वीप
55. कारा सागर
56. अगुलहास धारा
57. मेरियाना गर्त
58. शिराज
59. हरिशचंद्र पर्वत श्रेणी
60. बघेल खंड
61. अनाइमुडी
62. मिनिकॉय द्वीप
63. अंजार
64. सांभर झील
65. तवा नदी
66. भीमा नदी
67. डिगबोई
68. मनास उद्यान

GS World Committed To Excellence

IAS 2000 परीक्षा में पूछे गए भूगोल (वैकल्पिक विषय) के प्रश्न-पत्र

Paper-I

1. प्लेट विवर्तनिकी की थियोरी के हवाले से, संसार के तरूण वलन पर्वत तंत्रों की उत्पत्ति और वृद्धि को स्पष्ट कीजिए।
2. 'सामान्य अपरदन चक्र' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
3. पृथ्वी की सतह पर वर्षण के प्रकारों और वितरण का ब्यौरा दीजिए।
4. 'ओजोन-परत का क्षरण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
5. थार्नथ्वेट अथवा कोपेन द्वारा प्रस्तावित विश्व के जलवायु विभाजन की विवेचना कीजिए।
6. किसी एक महासागर के सन्दर्भ में सामुद्रिक धाराओं का विश्लेषण कीजिए।
7. 'मृदा प्रोफाइल' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
8. 'मृदा का उत्पत्तिमूलक वर्गीकरण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
9. पर्यावरणीय निम्नीकरण के कारणों और परिणामों पर चर्चा कीजिये, और संबंधित संरक्षण उपायों पर प्रकाश डालिये।
10. पारिस्थितिकी तंत्रों की क्रियाशीलता पर पुरा-जैव ईंधन के उपयोग जनित प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।
11. 'भूगोल पर प्रत्यक्षवाद का प्रभाव' पर संक्षिपत टिप्पणी लिखिए।
12. 'संवृद्धि की सीमाएं' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
13. 'विश्व ऊर्जा संकट: कारण एवं निवारण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
14. विश्व में कागज उद्योग अथवा पेट्रो-रसायन उद्योग के वितरण एवं उत्पादन प्रारूप का वर्णन कीजिए।
15. विश्व के दो प्रमुख व्यापारिक-प्रखण्डों के विकास का रेखांकन एवं उनके विश्व व्यापार पर प्रभाव का आकलन कीजिए।
16. 'श्रेणी आकार प्रणाली' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
17. 'जनांकिकी संक्रमण सिद्धांत एवं जनसंख्या समस्याएं' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
18. उपर्युक्त उदाहरण देते हुए नगरों की आकारिकी की मुख्य विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।
19. प्रदेश किसको कहते हैं? प्रदेशों के प्रकारों और प्रादेशीकरण की विधियों पर चर्चा कीजिए।
20. क्रिस्टल की केंद्रीय स्थान थ्योरी के आधार पर अनुप्रयोज्यता को स्पष्ट कीजिये। हाल के संशोधनों के संबंध में बताइये।
21. मानव भूगोल में फ्रिडरिश रैट्जेल के योगदान का आकलन कीजिए।

Paper-II

22. प्रायद्वीपीय भारत की संरचना एवं उच्चावच के लक्षणों का वर्णन कीजिए।
23. प्रायद्वीपीय भारत की संरचनात्मक विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
24. भारतीय मानसून की व्याख्या कीजिए।
25. 'निकम्मी भूमि व उसका पुनरुद्धार' पर टिप्पणी कीजिए।
26. भारत की राष्ट्रीय वन-नीति का परीक्षण कीजिए।
27. 'ऊर्जा संकट' पर टिप्पणी लिखिए।
28. भारत में हरित क्रांति ने कृषीय पारिस्थितिकी को किस प्रकार प्रभावित किया है, युक्तियुक्त विवेचना कीजिये।
29. भारत में लोहा एवं इस्पात उद्योग की वृद्धि, अवस्थिति एवं वितरण की विवेचना कीजिए।
30. भारत के वस्त्र उद्योग का स्थनीकरण की व्याख्या कीजिए।
31. भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की अभिनव प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।
32. भारत को अपने अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को सशक्त बनाने में आने वाली चुनौतियों की भौगोलिक समीक्षा कीजिए।

33. भारत में जनसंख्या वृद्धि की समस्या की व्याख्या कीजिए।

34. भारतीय शहरों की आकारिकी की प्रमुख विशिष्टताओं का वर्णन कीजिये।

35. भारतीय शहरों में गंदी बस्तियों (स्लमस) की वृद्धि के पर्यावरणीय प्रभावों की विवेचना कीजिए।

36. भारतीय नगरों का कार्य-व्यवसायपरक वर्गीकरण की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिये।

37. भारत की बहुस्तरीय नियोजन की अवधारणा की व्याख्या कीजिये।

38. बहुउद्देशीय नदी घाटी प्रोजेक्ट के योग का भारत में मूल्यांकन किसी एक नदी घाटी का चयन कर विस्तार सहित कीजिए।

39. भारत को नियोजन के हत-क्षेत्रों में विभक्त कीजिये और प्रत्येक क्षेत्रों के पारिस्थितिक-विकास हेतु संसाधनों का उल्लेख कीजिए।

40. हिन्द महासागर क्षेत्र की भू-राजनीतिक में भारत की भूमिका का विश्लेषण कीजिये।

41. हिन्द महासागर की भू-राजनीति में भारतीय योग की व्याख्या कीजिये।

42. 'केन्द्र-राज्य संबंधों का भौगोलिक आधार' पर टिप्पणी लिखिए।

43. भारत में घटित होने वाले बाढ़ प्रकोप अथवा सूखा प्रकोप का तर्कसंगत विवरण दीजिए तथा उनके नियंत्रण के उपाय भी सुलझाइये।

Paper-II : Mapping

44. माउण्ट गुन्बजॉर्न

45. कोटोपेक्सी

46. ग्रेट बियर झील

47. कार्कलुफ प्रपात

48. अमुदरिया

49. अदिस अबाबा

50. व्लाडिवोस्टक

51. लौंग आइलैंड

52. वैलेंड नहर

53. कुआला टेरेंगानु

54. अरावली पहाड़ियाँ

55. सतपुड़ा श्रेणी

56. चिल्का झील

57. कावेरी नदी

58. बॉम्बे हाई

GS World Committed To Excellence